राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 09 मई 2025 वर्ष-8,अंक-79 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन की दी जानकारी, रक्षा मंत्री बोले

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी

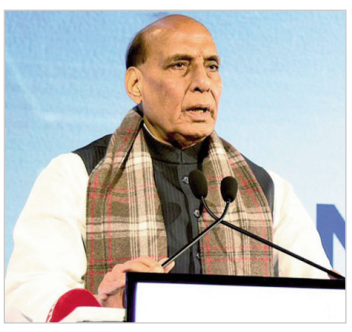

खरगे- राहुल बोले- संकट की इस घड़ी में हम सरकार के साथ

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात को लेकर गुरुवार को सर्वदलीय बैठक हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। यानी 7 मई को पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर हुए एयर स्ट्राइक के बाद भी ऑपरेशन रोका नहीं गया है। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक से बाहर आने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी रक्षा मंत्री के बयान को दोहराया। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक बैठक में बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। ऑपरेशन जारी है, इसलिए सटीक संख्या बताना मुश्किल है।

पाकिस्तान ने उकसाया तो कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी ने कहा कि संकट में हम देश और सरकार के साथ हैं। सरकार की कोई आलोचना नहीं करनी है। हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हमारे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। हमें आतंकवादी संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाना चाहिए।

पाकिस्तान की हरकतों पर पैनी नजर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों को लेकर स्थानीय बलों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमलों के बाद पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम उल्लंघन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। रक्षा अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि सेना और सुरक्षा बल पाकिस्तान की किसी भी संभावित गलत हरकत के लिए हाई

पहला कॉलम

भारतीय फ्लाइट आईसी-814 अपहरण की साजिश रचने मेंवाला रऊफ भी हुआ हमले में ढेर

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत के ऑपरेशन सिंदूर में मसूद का भाई अब्दुल रऊफ अजहर मारा गया है। बता दें कि मसूद ने बीते दिनों खुद जानकारी दी थी कि हमले में उसके परिवार के 10 सदस्य और अन्य 4 लोग मारे गए थे। जैश-ए-मोहम्मद और हरकत-उल-मुजाहिद्दीन आतंकी संगठनों की स्थापना करने वाला मसूद अजहर ऑपरेशन सिंदूर से पूरी तरह हिल चुका है। इस एयरस्ट्राइक के बाद मसूद अजहर ने बताया कि उसके परिवार के 10 और अन्य चार करीबी मारे गए हैं। उसने ये भी कहा था कि इस खुशहाल कारवां में उसे भी शामिल होना चाहिए था। अब खबर सामने आ रही है कि उसका भाई अब्दूल रऊफ अजहर भी मारा गया है।अधिकारियों की मानें, तो भारतीय फ्लाइट आईसी-814 अपहरण की साजिश रचने में रऊफ की भूमिका ने अल-कायदा के एक प्रमुख गुर्गे उमर सईद शेख की रिहाई को सीधे तौर पर सुविधाजनक बनाया था। शेख ने बाद में वॉल स्ट्रीट जर्नल के एक अमेरिकी-यहूदी पत्रकार डेनियल पर्ल का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी थी। 2002 में पर्ल की नृशंस हत्या ने दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। इस 814 मामले में रऊफ मुख्य आरोपी माना गया था। साल 1999 में 24 दिसंबर को इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट द्वृष्ट 814 को हाईजैक करके आतंकवादी अफगानिस्तान के कंधार ले गए थे। वहां यात्रियों को बंधक बनाकर रखा गया था। इस मामले में 36 आतंकवादियों को रिहा करने और 860 करोड़ रुपये देने की मांग रखी गई थी। इस पूरे हाईजैक के मामले में मसूद अजहर का भाई अब्दुल रऊफ अजहर मास्टमाइंड माना जा रहा था।

ऑपरेशन सिंदूर में सेना के लिए गेंमचेंजर साबित हुए स्काईस्ट्राइकर ड्रोन

100 किलोमीटर तक जा सकते

बेंगलुरु।

भारतीय सेना ने स्काईस्ट्राइकर नाम के आत्मघाती ड्रोन को अपने हथियारों में शामिल किया है। ये ड्रोन दुश्मन को ढूंढकर उस पर हमला कर सकते हैं। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर में इन ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। सूत्रों ने बताया कि इन ड्रोन को बेंगलुरु के एक इंडस्ट्रियल एस्टेट में बनाया गया है। अल्फा डिजाइन और इजराइल की एल्बिट सिक्योरिटी सिस्टम ने मिलकर यह काम किया है। अल्फा डिजाइन कंपनी बेंगलुरु की ही है। सेना ने 2021 में 100 से ज्यादा स्काईस्ट्राइकर ड्रोन का ऑर्डर दिया था। ये ड्रोन 100 किलोमीटर तक जा सकते हैं। हर ड्रोन में 5 किलो या 10 किलो का बम लगा होता है। ये स्काईस्ट्राइकर ड्रोन बिजली से चलते हैं, इसकारण आवाज न के बराबर होती है। इससे ये चुपचाप दुश्मन के इलाके में घुसकर हमला कर सकते हैं। अल्फा डिजाइन के सीएमडी (चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर), कर्नल (रिटायर्ड) एचएस शंकर ने स्काईस्ट्राइकर के बारे में बताने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस बारे में मोदी सरकार ही कुछ बता सकती है। स्काईस्ट्राइकर को एक सस्ता और असरदार हथियार माना जा रहा है। यह लंबी दूरी तक सटीक निशाना लगा सकता है। इससे सेना को दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने और हमला करने में मदद मिलती है। एल्बिट कंपनी ने स्काईस्ट्राइकर के बारे में कहा है कि यह एक अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम की तरह उड़ता है और मिसाइल की तरह हमला करता है। यह चुपचाप, बिना दिखे और अचानक हमला करने वाला हथियार है। स्काईस्ट्राइकर बहुत ही सटीक और भरोसेमंद है, जो आज के युद्ध में बहुत जरूरी है। स्काईस्ट्राइकर जैसे हथियारों ने सेना के काम करने के तरीके को बदल दिया है। अब सेंसर से मिली जानकारी के आधार पर तुरंत हमला किया जा सकता है। पहले जानकारी जुटाने और फिर हमला करने में बहुत समय लगता था। लेकिन अब ये काम बहुत जल्दी हो जाता है। ये ड्रोन दुश्मन के लिए एक बड़ा खतरा हैं और भारतीय सेना की ताकत को बढ़ाते हैं।

लाहौर, करांची से सियालकोट तक पहुंचे भारतीय ड्रोन....तबाही मचा वापस लौटे

भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर पाक हमले की कोशिश नाकाम

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने बीती रात भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर हमले की नाकाम कोशिश की, वहीं भारत ने लगातार दो दिनों तक पाकिस्तान के अंदर घुसकर उसकी वायु रक्षा तंत्र की नाकामियों की कलाई खोल दी। बीती रात पाक एयर डिफेंस सिस्टम को धता बताकर भारतीय ड्रोन लाहौर, कराची और सियालकोट सहित पाकिस्तान के नौ शहरों में घुसे और वहां तबाही मचा दी। सैन्य सूत्रों के मुताबिक भारत ने इजरायली ड्रोन हैरप की मदद से ये कारनामा किया है। सैन्य सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने लाहौर और रावलपिंडी सहित पाकिस्तान के दूसरे बड़े शहरों में भी ड्रोन अटैक किए। भारतीय सेना ने ये हमले तब किए, जब इस्लामाबाद ने भारतीय रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश की। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के एचक्यू-9 मिसाइल डिफेंस सिस्टम यूनिट्स को तबाह किया है। भारत ने पाकिस्तान की रक्षा इकाई पर ये हमले तब किए जब इस्लामाबाद ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग कर अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। तभी भारत ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की मदद से पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों का मलबा अब कई स्थानों से बरामद किया जा रहा है जो पाकिस्तानी हमलों को साबित करते हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान ने भी स्वीकार किया है कि बुधवार को भारत ने उसके देश के अंदर कई ठिकानों पर निशाना साधा है। इसमें लाहौर के अलावा गुजरांवाला, रावलपिंडी, चकवाल, बहावलपुर, मियांवाली, कराची, चोर, मियानो और अटक में भी ड्रोन हमले किए हैं। वहीं रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पार से कुपवाड़ा, बारामुला, उरी, पुंछ, मेंधर और राजौरी सेक्टरों में बिना किसी उकसावे के फायरिंग तेज कर दी है जिसमें मोर्टारों और भारी तोपखाने का भी इस्तेमाल हो रहा है। इस फायरिंग में 16 निर्दोष लोगों की जानें गई हैं, जिसमें तीन महिला और पांच बच्चे शामिल हैं।

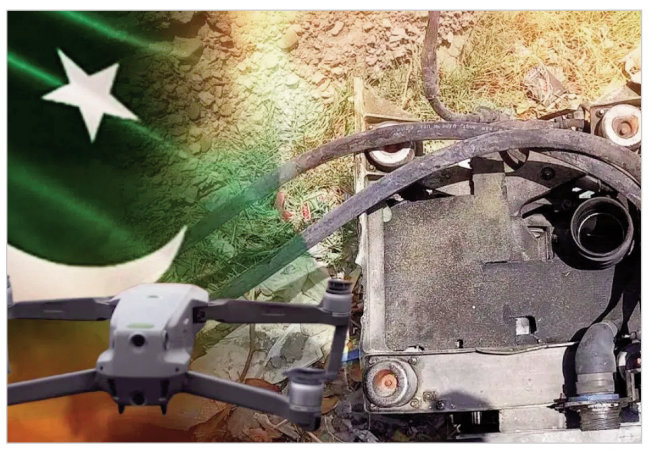

हमारी कार्रवाई उकसावे वाली नहीं, पहलगाम आतंकी हमले का जवाब : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने गुरुवार को दुनिया के सामने पाकिस्तान की सच्चाई उजागर की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री और पूर्व विदेश मंत्री ने खुले तौर पर यह स्वीकार किया है कि उनके आतंकवादी समूहों से संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद के गढ़ के रूप में पहचाना जाता है और यह साबित हो चुका है कि पाकिस्तान आतंकी समूहों का समर्थन करता है और उनके खिलाफ कभी कोई ठोस कार्रवाई नहीं करता। विदेश सचिव ने पाकिस्तान के आरोपों पर कहा कि हमने कोई भी उकसावे की कार्रवाई नहीं की है। हमने जो कार्रवाई की है, वह पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले का जवाब थी और हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान द्वारा पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की जांच करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समिति बनाने की मांग के जवाब में, विदेश सचिव ने कहा कि भारत ने पहले भी कई आतंकी हमलों के सबूत पाकिस्तान को दिए हैं, लेकिन उसने किसी भी हमले की जांच करने में कोई सहयोग नहीं किया। उन्होंने उदाहरण के तौर पर पठानकोट हमले का उल्लेख किया, जहां भारत ने पाकिस्तान को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में ठोस सबूत सौंपे थे, लेकिन पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादियों का बचाव किया। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत ने धार्मिक स्थलों को निशाना बनाया, लेकिन विक्रम मिस्री ने इसे खारिज करते हुए कहा कि भारत ने केवल आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि बल्कि पाकिस्तान ने एलओसी पर गुरुद्वारों को निशाना बनाया है। इसके साथ ही, मिस्री ने बताया कि जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का नाम शामिल करने की बात आई तो केवल पाकिस्तान ने इसका विरोध किया और इसका नाम हटवाया। यह साफ संकेत है कि पाकिस्तान अब भी इन आतंकवादी समूहों का समर्थन कर रहा है और उन्हें शरण दे रहा है। बता दें कि बुधवार की रात पाकिस्तान ने उत्तरी और पश्चिमी भारत के कई इलाकों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला करने का प्रयास किया।

इन हमलों का उद्देश्य भारत के शहरों को निशाना बनाना था, लेकिन भारत ने इन हमलों को नाकाम कर दिया।

ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-नेपाल सीमा पर हाई अलर्ट

पटना।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव का असर भारत-नेपाल सीमा पर भी अब साफ नजर आने लगा है। नेपाल से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है और सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) ने सुरक्षा व्यवस्था अत्यधिक मजबूत कर दिया है। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा को देखते हुए एसएसबी की सभी यूनिट्स को अलर्ट पर रखा गया है। सीमावर्ती जिलों- सुपौल, अररिया, मधुबनी, सीतामढ़ी और पश्चिम चंपारण में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। नेपाल से भारत में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की पहचान की गहन जांच की जा रही है। विशेष चेकिंग अभियान में डॉग स्क्वॉड, मेटल डिटेक्टर और हथियारों से लैस विशेष दस्ते लगाए गए हैं। हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। आतंकियों की किसी भी घुसपैठ को रोकने के लिए सभी मार्गों पर विशेष नाके बनाए गए हैं। छुट्टी पर गए जवानों को भी वापस बुला लिया गया है और रणनीतिक स्थानों पर तैनात कर दिया गया है।

हाई कोर्ट में 7 लाख 24 हजार केस पेंडिंग

सुप्रीम कोर्ट बोला- केंद्र जजों की नियुक्ति का प्रपोजल क्लियर करे

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- देशभर के हाईकोर्ट में 7,24,192 क्रिमिनल केसेस पेंडिंग हैं। अकेले इलाहाबाद हाई कोर्ट में 2.7 लाख से ज्यादा मामले पेंडिंग हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति को लेकर कई प्रपोजल केंद्र के पास पेंडिंग हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को कॉलेजियम की सिफारिशों को जल्द से जल्द मंजूरी देनी चाहिए। हमें उम्मीद और भरोसा है कि केंद्र सरकार जजों की नियुक्ति से जुड़ी लंबित प्रपोजल को जल्द से जल्द क्लियर करेगी।

सुप्रीम कोर्ट की निशिकांत दुबे को फटकार 'जानबूझकर न्यायपालिका की छवि धूमिल करने का प्रयास

नई दिल्ली।

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार मिली है। पिछले दिनों दुबे ने यह कहते हुए विवाद खड़ा किया था। सुप्रीम कोर्ट देश को गृहयुद्ध की ओर धकेल रहा है। इस बयान के खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एसवी भट्ट की खंडपीठ ने सख्त टिप्पणियाँ की। कोर्ट ने इसे बेहद गैर-जिम्मेदाराना, जानबूझकर न्यायपालिका की छवि को नुकसान पहुँचाने और सस्ती लोकप्रियता पाने का प्रयास बताया है। पीठ ने कहा कि सांसद द्वारा दिया गया बयान सुप्रीम कोर्ट और उसके न्यायाधीशों की गरिमा पर सीधा हमला है। खंडपीठ ने कहा अदालतें कोई कोमल फूल नहीं हैं। जो इस तरह के बेतुके बयान से मुरझा जाएँगी। दुबे के बयान से स्पष्ट है, कुछ लोग सोची-समझी साजिश के तहत न्यायपालिका पर हमले कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा ऐसे बयान देश की संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए बड़ा खतरा है। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल दुबे को कोई सजा नहीं दी है। कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है,उन्होंने कोर्ट की मर्यादा लांघी है। सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद निशिकांत दुबे इस्तीफा देंगे।यह मामला संसद की नैतिकता समिति तक जा सकता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिट्टी में मिल गया आंतकी हाफिफ सईद का मरकज तैयबा कैंप

नई दिल्ली।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाक के कब्जे वाले कश्मीर सहित पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों पर हमला किया। सेना ने पीओके के मुजफ्फराबाद को निशाना बनाया ही, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के मुरिदके को भी सैन्य एक्शन की जद में लिया। सेना ने मुरीदके के मरकज तैयबा कैंप को मिटटी में मिला दिया।

यह वहीं मरकज है, जहां 26/11 के गुनहगार अजमल कसाब और डेविड कोलमैन हेडली की ट्रेनिंग हुई थी। भारतीय हमले के बाद पाकिस्तान से कई वीडियो सामने आए, जो तबाही के निशान दिखा रहे थे।

मुरीदके से अब एक नया वीडियो सामने आया है। ताजा वीडियो लश्कर के मुख्यालय मरकज तैयबा का बताया जा रहा है। करीब 82 एकड़ जमीन में फैले परिसर के वीडियो में रेस्क्यू की गाड़ियां, एम्बुलेंस खड़ी दिख रही हैं।

हाफिफ सईद के टेरर कैंप की ध्वस्त इमारतों का बिखरा मलबा भारतीय हमले में हुई तबाही का मंजर बयान कर रहे हैं।

वीडियो में दिख रहा है कि इमारतों की छतें फर्श में तब्दील हो गई हैं। इमारत के अंदर भी दीवारों ने जो बोझ उठा भी रखा है, उसमें भी बस सरिया ही दिख रहा है। लश्कर के आतंकी जिस मरकज परिसर में पहुंचकर ट्रेनिंग लेते थे, भारत में आतंकी गतिविधियों के दौरान दिशानिर्देश लेते थे, आका का फरमान पाते थे, उस परिसर में हर तरफ मलबा ही मलबा बिखरा नजर आ रहा है।

भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर पाक हमले की कोशिश नाकाम

लाहौर, करांची से सियालकोट तक पहुंचे भारतीय ड्रोन....तबाही मचा वापस लौटे

नई दिल्ली।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने बीती रात भारत के 15 सैन्य ठिकानों पर हमले की नाकाम कोशिश की, वहीं भारत ने लगातार दो दिनों तक पाकिस्तान के अंदर घुसकर उसकी वायु रक्षा तंत्र की नाकामियों की कलाई खोल दी। बीती रात पाक एयर डिफेंस सिस्टम को धता बताकर भारतीय ड्रोन लाहौर, कराची और सियालकोट सहित पाकिस्तान के नौ शहरों में घुसे और वहां तबाही मचा दी। सैन्य सूत्रों के मुताबिक भारत ने इजरायली ड्रोन हैरप की मदद से ये कारनामा किया है। सैन्य सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने लाहौर और रावलपिंडी सहित पाकिस्तान के दूसरे बड़े शहरों में भी ड्रोन अटैक किए। भारतीय सेना ने ये हमले तब किए, जब इस्लामाबाद ने भारतीय रडार सिस्टम को नुकसान पहुंचाने की नाकाम कोशिश की। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के एचक्यू-9 मिसाइल डिफेंस सिस्टम यूनिट्स को तबाह किया है। भारत ने पाकिस्तान की रक्षा इकाई पर ये हमले तब किए जब इस्लामाबाद ने ड्रोन और मिसाइलों का उपयोग कर अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, भटिंडा, चंडीगढ़, नल, फलोदी, उत्तरलाई और भुज सहित उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई सैन्य ठिकानों पर हमला करने की कोशिश की। तभी भारत ने अपने एयर डिफेंस सिस्टम एस-400 की मदद से पाकिस्तान के हमलों को नाकाम किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों का मलबा अब कई स्थानों से बरामद किया जा रहा है जो पाकिस्तानी हमलों को साबित करते हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान ने भी स्वीकार किया है कि बुधवार को भारत ने उसके देश के अंदर कई ठिकानों पर निशाना साधा है। इसमें लाहौर के अलावा गुजरांवाला, रावलपिंडी, चकवाल, बहावलपुर, मियांवाली, कराची, चोर, मियानो और अटक में भी ड्रोन हमले किए हैं। वहीं रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पार से कुपवाड़ा, बारामुला, उरी, पुंछ, मेंधर और राजौरी सेक्टरों में बिना किसी उकसावे के फायरिंग तेज कर दी है जिसमें मोर्टारों और भारी तोपखाने का भी इस्तेमाल हो रहा है। इस फायरिंग में 16 निर्दोष लोगों की जानें गई हैं, जिसमें तीन महिला और पांच बच्चे शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दो टूक- आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

- आतंक के गढ़ में भारत का निर्णायक प्रहार

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं।

भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी। बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे। इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'न्याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है।

भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत आतंकवाद के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को और मजबूत तरीके से प्रस्तुत करेगा। अमेरिका, फ्रांस, रूस और इजरायल जैसे देश पहले ही भारत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं परंतु संयुक्त राष्ट्र और इस्लामी देशों के संगठन (आईओसी) में पाकिस्तान अपने झूठे प्रचार को हवा देने की कोशिश अवश्य करेगा, इसलिए भारत को अब इस कूटनीतिक लड़ाई में भी स्पष्टता और तथ्यों के साथ आगे बढ़ना होगा। बहरहाल, ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य और कूटनीतिक परिपक्वता का प्रतीक है। इसने साबित कर दिखाया है कि भारत अब संयम और जवाबदेही के साथ अपनी रक्षा नीति पर अमल कर रहा है। 'सिंदूर' का रंग भले ही सांस्कृतिक दृष्टि से सौभाग्य और शक्ति का प्रतीक हो परंतु इस सैन्य कार्रवाई में यह रंग आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बन गया है। भारत ने दुनिया को यह बता दिया है कि वह न तो युद्ध चाहता है, न टकराव लेकिन यदि उसकी सीमाओं, नागरिकों और संप्रभुता को कोई चुनौती देगा तो उसका जवाब भी उतना ही सटीक, तीव्र और निर्णायक होगा। भारत का यह बदलता हुआ रवैया उसकी सुरक्षा नीति को नई दिशा दे रहा है और यह संकेत है कि आने वाले समय में कोई भी आतंकी घटना भारत को मूकदर्शक नहीं बनाएगी बल्कि तत्काल और निर्णायक प्रतिघात से दुश्मन की कमर तोड़ी जाएगी।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

जोश और संयम

आखिरकार पहलगाम हमले के 15 दिन बाद भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला करके न केवल आतंकवादियों की कमर तोड़ी है बल्कि बड़बोले पाकिस्तान के दंभ को भी तोड़ा है। बेहद सुनियोजित व सटीक तथा नियंत्रित कार्रवाई से भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। साथ ही सैन्य ठिकानों व नागरिक संस्थानों को निशाना न बनाकर मानवता का संदेश ही दिया है। बताया कि हमें आत्मरक्षा का अधिकार है। साथ ही दुनिया को यह भी बताया कि विश्व बंधुत्व हमारा सांस्कृतिक संकल्प है। लेकिन यदि हमारी बेटियों के सिंदूर छीने जाएंगे तो हम अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं लांघकर भी आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने से नहीं हिचकेंगे। यह भी कि मानवता के संरक्षण के संकल्प के साथ कि हम कभी नागरिक को निशाना नहीं बनाएंगे। गीता के उस संदेश का अनुपालन कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन जब युद्ध अपरिहार्य हो, तो फिर युद्ध लड़ना धर्म बन जाता है। पिछले दिनों देश में शीर्ष सैन्य नेतृत्व की सक्रियता और प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री के बयान इस सधी हुई कार्रवाई के संकेत दे रहे थे। इस कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफ मानवता के सुरक्षा कवच के रूप में देखा जाना चाहिए। हमने बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद इस कार्रवाई को तब अंजाम दिया जब पानी सिर से ऊपर गुजरने लगा। ऑपरेशन सिंदूर ने उन्हें भी जवाब दे दिया है जो भारतीय अस्मिता की रक्षा के लिये किए जा रहे सैन्य व कूटनीतिक उपक्रमों को लेकर सतही बयानबाजी कर रहे थे। उन्हें इस बार बालाकोट के यथार्थ की तरह सवाल उठाने का मौका नहीं मिलेगा। इस बार के हमले के तमाम फोटो-वीडियो अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में तैर रहे हैं। बिहार की जनसभा में प्रधानमंत्री ने चेताया भी था कि आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि फिर वे ऐसा दुस्साहस न कर सकें। साथ ही गृहमंत्री ने कहा था कि जैसे जनता चाहती है, वैसा ही होगा। सचमुच वैसा ही हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की सीमित युद्ध की रणनीति व अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति सटीक रही। निस्संदेह, आतंकवाद के खिलाफ किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संयुक्त राष्ट्र सहित विश्वभर के तमाम अमन पसंद देशों की मोहर लगनी ही चाहिए। कौन नहीं जानता कि अमेरिका, इस्राइल समेत तमाम अनेक यूरोपीय देश अपने विरुद्ध किसी भी आतंकवादी हमले के सूत्रधारों को कुचलने में कभी विलंब नहीं करते। आज इस कार्रवाई के बाद अमेरिका व चीन समेत तमाम विश्व शक्तियों को भारत-पाक को एक तराजू में रखकर नसीहतें देने की बजाय ईमानदारी से शांति व मानवता के पाले में खड़ा होना होगा। साथ ही भारतीय नागरिक के रूप में एक बड़ी सोच के साथ हमें इस सर्जिकल स्ट्राइक पर युद्ध उन्माद का जश्न मनाने के बजाय संयम से आतंक के दमन के रूप मे देखना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सर्जिकल स्ट्राइक ने देश के आहत मर्म पर सांस्कृतिक और भावनात्मक मरहम भी लगाया है। यह बताया गया है कि विवाहिताओं द्वारा लगाए जाने वाला सिंदूर महज दिखावटी रस्म नहीं है। यह प्यार और रिश्तों में निरंतरता का पर्याय भी है। जब आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 पुरुषों की हत्या करके उनकी जीवन संगिनियों का सिंदूर पोंछा था, तो उस सिंदूर के मिटने के दर्द को पूरे देश ने गंभीरता से लिया। खासकर उस विवाहिता का दर्द जिसके हाथ की मेहंदी फीकी भी नहीं पड़ी थी। उसके दुःख को पूरे देश ने महसूस किया और आतंक की धरा को नेस्तनाबूद करने के लिये ही 'सिंदूर ऑपरेशन' को अंजाम दिया गया।

मसलों पर समय सीमा तय करने पर विवाद क्यों ?

(लेखक - चैतन्य भट्ट)

उच्चतम न्यायालय ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के स्तर पर विधेयक स्वीकृत करने संबंधी समय सीमा निर्धारित क्या की, समूचे राजनीतिक जगत में जैसे भूचाल आ गया। नेताओं द्वारा इसे विधायिका की कार्यवाही में सीधा हस्तक्षेप मानते हुए इस कार्यवाही को न्यायपालिका द्वारा अपनी सीमा लांघने जैसे बयान दिए जाने लगे। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बयान दे डाला कि संविधान की मूल भावना के 'अंतिम स्वामी' चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं और संसद से ऊपर कोई भी नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे तो इतने आगे चले गए कि, यदि सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद और विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए, और भारत में गृह युद्ध के लिए सीजेआई खन्ना जिम्मेदार हैं धनखड़ के बयान पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ कानूनविद कपिल सिब्बल मैदान में आए। उन्होंने कहा कि न तो संसद और कार्यपालिका नहीं संविधान सर्वोच्च है जिसके प्रावधानों की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट द्वारा की जाती है। इस देश ने अब तक कानून को इसी तरह समझा है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति का नाम तो नहीं लिय मगर कहा कि शीर्ष अदालत के हालिया फैसले, जिनकी कुछ भाजपा नेताओं और उपराष्ट्रपति ने आलोचना की है, हमारे संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप और राष्ट्रीय हित से प्रेरित हैं। संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है मगर संविधान की व्याख्या करना और पूर्ण न्याय करना न्यायालय का दायित्व है। जहां तक निशिकांत दुबे का प्रश्न है भाजपा ने उनके बयानों से खुद को अलग कर लिया है

लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभ न्यायपालिका और विधायिका के बीच ऐसी परिस्थितियां निस्संदेह दुर्भाग्यपूर्ण हैं। मगर यह भी तय है कि किसी भी समृद्ध लोकतंत्र में जनहित से जुड़े कार्यों को लेकर समय-सीमा निर्धारित होनी चाहिए। तमिलनाडु के राज्यपाल के रवि के मामले को देखें तो तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा पारित अनेक विधेयक तो तीन साल से ज्यादा की अवधि के बाद भी उनके कार्यालय में लंबित थे। और यह अकेला मामला नहीं है। विरोधी पक्ष की सरकारें वाले देश के कितने ही राज्यों में स्थितियां कमोबेश यही हैं। संवैधानिक रूप से राज्यपाल पद बेहद मर्यादित है और उस पर बिना किसी राजनैतिक दल या विचारधारा के प्रति पूर्वाग्रह के विशुद्ध रूप से राज्य सरकार की प्रशासनिक मदद का दायित्व है। टकराव की यह परिस्थितियां और राज्यपाल पद का राजनीतिक दुरुपयोग पहले भी होता रहा है और पूर्ववर्ती केंद्र सरकारों ने तो चुनी हुई राज्य सरकार गिराने तक में इसका प्रयोग किया है। जहां तक विधायिका का प्रश्न है, संसद की कार्यवाही कमोबेश हर सत्र में हंगामे और बहिष्कार का शिकार होती दिखती है। स्वस्थ बहस के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह संस्था अब सरकार और विरोध पक्ष के संघर्ष के लिए ज्यादा पहचानी जाती है। जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक सालों से लंबित पड़े हैं। सदस्यों के लंबित प्राईवेट विधेयकों की संख्या तो सैकड़ों पार कर रही है। यही हाल विधानसभाओं का है। महत्वपूर्ण विधेयक लंबित रहते हैं और जो स्वीकृत हो जाते हैं वे राजनीतिक रस्साकसी का शिकार होकर वर्षों राज्यपाल के स्तर पर धूल फांकते रहते हैं। विधानसभा सत्र के दौरान उठाए गए प्रश्न या समस्या पर मंत्री की घोषणा आश्वासन बन जाती है। सत्र में पूछे गए प्रश्न के उत्तर के आधार पर भी आश्वासन बन जाते हैं। ऐसा आश्वासन निभाना संवैधानिक बाध्यता न सही नैतिक आवश्यकता तो है।

यह चुनाव मंच पर किया गया वादा नहीं अपितु सदन जैसे संवैधानिक मंदिर में दिया गया भरोसा है। मगर इसके प्रति आवश्यक गंभीरता का सर्वथा अभाव है। मध्यप्रदेश विधानसभा के परिप्रेक्ष्य में ही ऐसे ढाई हजार के लगभग लंबित आश्वासन बताते हैं कि विधानसभा में किसी जनोपयोगी आवाज उठ भी जाए तो उसकी सुनवाई जरूरी नहीं है। क्या ऐसे आश्वासनों की पूर्ति के लिए समय-सीमा निर्धारित किया जाना आवश्यक नहीं है ?

यह लेट लतीफी सिर्फ संसद और विधानसभाओं की कार्यवाही तक ही सीमित नहीं है। निर्वाचित सरकारें जन सामान्य के हितों और शिकायतों से संबंधित कार्यों के समय-सीमा निर्धारित कर ही अपना दायित्व पूरा समझ लेती हैं। प्रदेश को ही लें, आम जनता की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए बनाई गई सीएम हेल्पलाइन में पिछले अक्टूबर की स्थिति में 7 लाख से अधिक शिकायतें पेंडिंग थीं, जिनमें से 3 लाख से अधिक 100 दिनों की समय सीमा पार कर चुकी थीं। इनमें पीएम आवास योजना (ग्रामीण) में राशि न मिलने, पीएम मातृ वंदन योजना, श्रमिक प्रसूति सहायता और जननी सुरक्षा, पुलिस विवेचना में लापरवाही और कोर्ट में केस पेंडेंसी और संबल योजना का लाभ न मिलने जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं से संबंधित शिकायतें शामिल थीं। तथाकथित निराकृत प्रकरणों में भी शिकायतें येन-केन प्रकारेण निपटाए जाने जैसे मामले ही ज्यादा थे।

सरकारों को समझना चाहिए कि उनका दायित्व सिर्फ जनोपयोगी योजनाएं बनाने तक ही सीमित नहीं है। अफसरशाही इन लाभों को जन-सामान्य तक पहुंचाने का जरिया है और अगर यह व्यवस्था ठीक काम नहीं करती और लाभ निर्दिष्ट व्यक्ति तक नहीं पहुंचता है तो सारा का सारा तामझाम व्यर्थ है। हर कार्य के लिए न सिर्फ समय-सीमा निर्धारित होना चाहिए बल्कि उसका पालन हो रहा है या नहीं इसके लिए भी एक पारदर्शी व्यवस्था निर्धारित होना चाहिए। यह समझ जितनी जल्दी आ जाए उतना ही अच्छा होगा। और अगर विधायिका ऐसा नहीं कर पाती है और न्यायालय हस्तक्षेप करता है तो फिर इसे सीमा का उल्लंघन कहना कदापि उचित नहीं होंगा।दूसरी तरफ न्यायालयों को भी इस बात पर विचार करना होगा कि अदालतों में लंबित मामलों की भी एक सीमा तय की जाय देखना होगा किस मसले पर विवाद कैसे हल हो सकेगा ।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

(चिंतन-मनन)

दौलत की चाह

संत जुनैद की एक झलक पाने और उनसे ज्ञान की बातें सुनने के लिए लोग बेकरार रहते थे। पर जुनैद दुनियावी चीजों से तटस्थ और निर्लिप्त रहते थे। वह खाने-पीने और अपने कपड़े से भी बेपरवाह रहते थे। वह हर समय घूमते रहते थे। जहां भी रात होती वह वहीं टिक जाते। एक बार वह एक बड़े शहर के बाहर रुके तो शहर के जाने-माने एक सेठ उनके दर्शन के लिए आ पहुंचे। वह अपने साथ ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं लेकर आए थे।

उन्होंने उसकी थैली जुनैद के चरणों में रख दी और हाथ जोड़कर खड़े हो गए। जुनैद ने थैली पर नजर डाली, फिर मुस्कराते हुए पूछा-क्या इसके अलावा भी आपके पास और दौलत है? सेठ जी ने प्रसन्न होकर सोचा कि जुनैद को और भी धन चाहिए। सेठ ने कहा-मेरे पास तो इससे कई गुना धन-संपत्ति और है। सेठ ने पूछा-क्या आप और दौलत पाने की ख्वाहिश रखते हैं? सेठ ने कहा- हां, हां क्यों नहीं, अब इतने से क्या होता है। थोड़ी और दौलत मिल जाए तो जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

जुनैद ने कहा- तब तो ये दौलत भी आप ही रख लीजिए। इसकी असल जरूरत तो आपको ही है। आपको और धन-संपत्ति चाहिए। इतना आप मुझे ही दे देंगे तो आपका खजाना थोड़ा खाली हो जाएगा। जिसके पास सब कुछ हो लेकिन और पाने की चाह हो, उसके दान का भी कोई अर्थ नहीं है। यह सुनकर सेठ जी लज्जित हो गए। उन्होंने जुनैद से वादा किया कि वह अब और दौलत के पीछे नहीं भागेंगे

विचार मंथन

भारत की मिसाइलों का सटीक निशाना, चीन के सुरक्षा तंत्र की खुली पोल

(लेखक - सनत जैन)

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर भारतीय सीमा में रहते हुए जो मिसाइल स्ट्राइक की है उसने पाकिस्तान में तैनात एचक्यू-9 मिसाइल की विफलता को उजागर कर दिया है। चीन और पाक द्वारा जो दावे किए जा रहे थे उसकी पोल खुल गई है। भारत ने हाल ही में सिंदूर ऑपरेशन के जरिए आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल अटैक कर पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादियों को करारा जबाब दिया है। यह हमला मंगलवार की देर रात करीब 1:45 बजे किया गया था। मात्र 7 मिनट के इस हमले में ब्राह्मोस सहित अत्याधुनिक मिसाइलों और हथगोलों का इस्तेमाल भारतीय सेना द्वारा किया गया। भारत ने इस हमले में सुनिश्चित किया था। पाकिस्तान का कोई भी नागरिक ठिकाना या बुनियादी ढांचा क्षतिग्रस्त ना हो। भारत की सैन्य नैतिकता और सामरिक सूझ-बूझ का परिचय मिलता है। पाकिस्तान और चीन की तरफ से बार-बार दावा किया जाता रहा है। एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम दुनिया के बेहतरीन सुरक्षा कवचों में एक है। यह सिस्टम अभी तक कहीं उपयोग नहीं हुआ था। चीन का दावा था, उसका यह सिस्टम अमेरिका के पेट्रियट, इजराइल के आयरन डोम और रूस के एस-400 से बेहतर है। भारतीय सेना की मिसाइलों ने चीन की इस तथाकथित अभेद्य रक्षा प्रणाली को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जिसके कारण चीन की पोल खुल गई है। पाकिस्तान भी हैरान और परेशान है, चीन से उसने सबसे ज्यादा रक्षा सामग्री एवं सैन्य उपकरण खरीदे हैं। भारत की सेना द्वारा जिस तरह की रक्षा प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है उसको देखते हुए पाकिस्तान अब यह नहीं समझ पा रहा है, कि वह भारत का मुकाबला किस तरह से करेगा। चीन द्वारा पाकिस्तान को सौंपा गया यह सिस्टम एक भी भारतीय मिसाइल को इंटरसेप्ट नहीं कर पाया। पाकिस्तान की सेना और वायुसेना पूरी तरह अलर्ट मोड पर थीं। इस असफलता ने चीन की रक्षा तकनीक और उपायों की वास्तविकता उजागर कर दी है। भारत ने बिना हवाई हमले और बमवर्षक विमानों का प्रयोग किये बिना ही यह दिखा दिया है। आधुनिक युद्ध केवल सैनिकों की संख्या से नहीं, बल्कि रणनीति, तकनीक और संयम से जीते जा सकते हैं। भारतीय सेना ने इस अभियान में न केवल तीनों सेनाओं की एकजुटता, भारतीय सेना का सैन्य कौशल दिखाया, वरन यह भी साबित कर दिया, कि भारत अब केवल जुबानी प्रतिक्रिया देने वाला देश नहीं रहा। आवश्यकता पड़ने पर भारत निर्णायक कार्रवाई करने वाला राष्ट्र बन चुका है। जो दुश्मन के घर जाकर सटीक निशाना साधकर अपने दुश्मनों से बदला ले सकता है। इस घटनाक्रम से सैन्य विश्वसनीयता और क्षमता को लेकर विश्व में भारत की स्थिति मजबूत हुई है। अमेरिका, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों को भारत द्वारा पहले से सूचित किया जा चुका था। यह भारत की वैश्विक कूटनीति की समझ और पारदर्शिता को प्रदर्शित करता है। भारत के ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान के भीतर हड़कंप मचा हुआ है। पाकिस्तान द्वारा पिछले दो सप्ताह से इतनी बडी तैयारी के बावजूद चीन और पाकिस्तान मिलकर भी हमले को क्यों नहीं रोक पाए। भारतीय सेना का यह हमला केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है। भारत का यह संदेश भी है, भारत की संप्रभुता से खिलवाड़ करने वालों को भारतीय सेना से हर स्तर पर जवाब मिलेगा। भारत तकनीकी, सैन्य और कूटनीतिक स्थिति की समझ रखती है। भारत की सेना के तीनों अंगों की एक जुटता, भारतीय सेना का साहस, भारतीय सेना का प्रशिक्षण और अत्याधुनिक सैन्य उपकरण, अत्याधुनिक संचार प्रणाली का कोई मुकाबला नहीं है। भारतीय सेना ने जो पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से किया है वह दुनिया भर के आतंकवादियों के लिए भी एक संदेश है। मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकवादियों के लिए एक सबक है। भारतीय सेना ने मात्र 7 मिनट के अंदर अपनी सीमा के अंदर ही रहते हुए उसके पूरे परिवार को निशाना साधकर पाकिस्तान में ही समाप्त कर दिया। इससे भारत के पड़ोसी देशों में भी हड़कंप की स्थिति है। भारतीय सेना के पराक्रम की चर्चा दुनिया के सभी देशों में हो रही है। भारत की सेना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में से एक है। यह साबित हो गया है। मात्र कुछ मिनट का ऑपरेशन कर दुश्मनों को सबक सिखाने की यह अनूठी घटना है। भारतीय सेना ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को नुकसान नहीं होने दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों में कर्ज बढ़ने का खतराः एसएंडपी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से दोनों देशों के लिए कर्ज का जोखिम भी बढ़ेगा। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने गुरुवार को यह बात कही। रेटिंग एजेंसी ने दोनों देशों को बीबीबी- और सीसीसी+ प्रदर्शकों के साथ रेटिंग दी है। वह आगाह करते हैं कि अगले दो से तीन सप्ताह तक तनाव के उच्च स्तर पर रह सकता है और महत्वपूर्ण सैन्य कार्रवाई की संभावना है। भारतीय सुरक्षा बलों ने मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इसके परिणामस्वरूप, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री ने भारत के विरोध में फिर से कार्रवाई की तयारी करने का एलान किया है। एसएंडपी ने कहा है कि भारत अपनी आर्थिक वृद्धि मजबूत रखेगा जबकि पाकिस्तान सरकार अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए कदम उठाएगी। यह तनाव सबके लिए अमंगलकारी है और दोनों देशों को सावधान रहने की आवश्यकता है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 18 पैसे की बढ़त के साथ ही 84.57 पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस रुपया 37 पैसे की बढ़त के साथ ही 84.75 पर बंद हुआ। । रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 23 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.54 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के निरंतर प्रवाह और डॉलर कमजोर होने से स्थानीय मुद्रा को बल` मिला, हालांकि भू-राजनीतिक तनाव निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.61 प्रति डॉलर पर खुला और फिर डॉलर के मुकाबले 84.65 पर लुढ़क गया। हालांकि बाद में 84.54 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 23 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को 42 पैसे की गिरावट के साथ 84.77 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.65 पर रहा।घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 50.00 अंक की गिरावट के साथ 80,696.78 अंक पर आ गया, जबकि निफ्टी 31.30 अंक फिसलकर 24,383.10 अंक पर रहा।

पीएनबी का मुनाफा 51.7 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई।

सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने मार्च 2025 में समाप्त चौथी तिमाही में 4567 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 3010 करोड़ रुपये की तुलना में 51.7 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने शेयर बाजार दी जानकारी में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 10757 करोड़ रुपये रही है जबकि मार्च 2024 में समाप्त तिमाही में यह आय 10363 करोड़ रुपये थी।

भारत में मार्च 2025 तक फोनधारकों की संख्या 120 करोड़ि थी

नई दिल्ली। देश में मार्च 2025 तक कुल फोनधारकों की संख्या 120 करोड़ थी जिसमें से वायरलेस फोन धारकों की संख्या 116.37 करोड़ और वायरलाइन धारकों की संख्या 3.70 करोड़ थी। भारतीय दूरंसचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी ` किए गए मासिक आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 में वायरलेस ब्राडबैंड धारकों की संख्या 90.27 करोड़ और वायरलाइन ब्राडबैंड धारकों की संख्या 4.13 करोड़ थी। कुल ब्राडबैंड धारकों की संख्या 94.41 करोड़ थी।

भूषण पावर अधिग्रहण रद्द, बैंकों के 3 लाख करोड़ दांव पर!

मुंबई।

कर्ज संकट से जूझ रही भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील के 19,700 करोड़ रुपए के रिजॉल्यूशन प्लान को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज करने के बाद कई भारतीय बैंकों के ऋण में दिए गए 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दांव पर हैं। इसी बीच बीपीएसएल को सबसे अधिक ऋण देने वाले दूसरे बड़े पंजाब नैशनल बैंक के 6100 करोड़ रुपए की वसूली का मामला भी अब अधर में लटक गया है। बैंक उम्मीद कर रहा था कि वह इस ऋण के एवज में 2,440 करोड़ या 1.94 फीसदी की वसूली कर लेगा लेकिन अब यह इतना आसान नहीं रह गया है। हालांकि दिवाला प्रक्रिया के जरिये बी.पी.एस.एल. के अधिग्रहण के जे.एस.डब्ल्यू. स्टील के कदम को अवैध करार देने वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले पर विस्तार से विचार किया जा रहा है। वित्तीय सेवा विभाग के मुताबिक विभाग ने ऋणदाताओं के साथ मिलकर इस फैसले की समीक्षा की है और अब इस पर सरकार की राय ली जाएगी। उसके बाद ही आगे की कार्रवाई पर फैसला किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भारतीय बैंकिंग सैक्टर में उथल-पुथल के आसार बने हुए हैं। इसलिए पब्लिक सैक्टर के बैंकों को अपनी अपेक्षित वसूली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खोना पड़ सकता है। बड़े जोखिम को देखते हुए यह देखना बाकी है कि इसका बैलेंस शीट पर कितना असर होगा और आने वाली तिमाहियों में प्रावधान पर क्या असर होगा। रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि वैकल्पिक कानूनी उपाय या एक नया रिजॉल्यूशन प्लान अभी भी सामने आ सकता है।

ट्रम्प का कहना है कि वे चीन के साथ वार्ता शुरू करने टैरिफ कम नहीं करेंगे!

ट्रम्प ने कहा, चीन को पहले अपनी एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए

वाशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने बीजिंग के साथ ट्रेड वार की बातचीत शुरू करने के लिए चीन के 145 फीसदी टैरिफ को कम करने पर विचार नहीं करेंगे, इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि चीन को पहले अपनी एकतरफा टैरिफ बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए। इसके साथ ही, ट्रम्प ने चीन के दावे को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका ने स्विट्जरलैंड में ट्रेड वार्ता शुरू की थी। चीन ने भी ट्रम्प के टैरिफ में और बढ़ोतरी के विरोध किया, कहते हुए कि वे अमेरिका के प्रस्तावों का आकलन कर रहे हैं। ट्रम्प ने आंकड़ों का सहारा लेते हुए कहा कि चीन में बेरोजगारी बहुत ज्यादा हो गई है और कारखाने बंद हो रहे हैं। उन्होंने इसके असर से सहमतता जताई, लेकिन चीन को टैरिफ बढ़ाने से पहले अपनी बढ़ोतरी वापस लेनी चाहिए, यह उनकी मांग है। चीन ने अमेरिका के प्रस्तावों का आकलन करने का दावा किया है, लेकिन उन्होंने ट्रम्प को अपनी टैरिफ बढ़ोतरी कैंसिल करने का कहा है। इसमें दस्तावेजीकरण है कि स्विट्जरलैंड में होने वाले चीनी-अमेरिकी बैठक से पहले यह खुलासा हुआ है। ट्रम्प ने इस बिल्कुल भी अपनी गैरहाजिरगी नहीं दी है और देश में चल रहे व्यापार वार्ता की एक समीक्षा के दौरान इस पर अवधान निशानी स्थापित की है। इस संदर्भ में, व्यापार क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे कठिनाइयों को हल करने के लिए दोनों पक्षों की उम्मीद जताई जा रही है। बाकी, चीन और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता के मामले में और योजनाएं तय की जा सकती हैं।

गूगल ने फिर दिखाया 200 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता

नई दिल्ली।

टेक दिग्गज गूगल में फिर से कर्मचो रियों की छंटनी की खबरें` मिल रही है। रिपोर्टों की मानें तो कंपनी ने अपने ग्लोबल बिजनेस यूनिट में से करीब 200 कर्मचारियों को कंपनी से` निकाल निकाल दिया है। गूगल के लिए यह टीम दुनियाभर में सेल्स और पार्टनरशिप का काम देखती है। बताया जा रहा है कि बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां आजकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंफ्रास्ट्रक्चर पर अधिक ध्यान दे रही हैं। एक बड़े पैमाने पर इंडस्ट्री में बदलाव हो रहा है और शायद कर्मचारियों की छंटनी की भी यही वजह हो सकती है। इस वजह से कंपनी कर रही स्मॉल एडजस्टमेंट गूगल के इस कदम की जानकारी द इन्फॉर्मेशन ने अपनी रिपोर्ट में दी है। बताया जा रहा है कि कंपनियां डेटा सेंटर और एआई डेवलपमेंट पर खर्च कर रही हैं। इसके चलते कई पुराने सेगमेंट्स खत्म हो रहे हैं या वहां कर्मचारियों की संख्या कम की जा रही है। रॉयटर्स को दिए एक बयान में गूगल ने इन बदलावों को स्मॉल एडजस्टमेंट बताया। इनका मकसद सहयोग को अधिक बढ़ावा देना और ग्राहकों को कितनी जल्दी सेवाएं दी जा रही हैं, इसमें सुधार करना है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 411.97 अंक करीब 0.51 फीसदी की गिरावट के साथ ही 80,334.81 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 140.60 अंक तकरीबन 0.58 फीसदी नीचे आकर 24,273.80 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से सिर्फ 4 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। वहीं 26 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसी तरह निफ्टी 50 की 50 में से सिर्फ 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 45 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एक्सिस बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 0.70 फीसदी ऊपर आये और एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 3.14 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी के शेयरों में बड़ी गिरावट आई है। सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 2.85 फीसदी , मारुति सुजुकी 2.04 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.86 फीसदी , टाटा स्टील 1.81 फीसदी , भारती एयरटेल 1.58 फीसदी , एशियन पेंट्स 1.49 फीसदी , बजाज फिनसर्व 1.48 फीसदी , पावरग्रिड 1.09 फीसदी , भारतीय स्टेट बैंक 0.95 फीसदी , एचडीएफसी बैंक 0.94 फीसदी , इंडसइंड बैंक 0.94फीसदी , सनफार्मा 0.85 फीसदी , एनटीपीसी 0.72 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.62 फीसदी , हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.62 फीसदी और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 0.60 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा लार्सन एंड टुब्रो, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, अल्ट्राटेक इमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिंद्रा के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए। वहीं टाइटन और एचसीएल के शेयरों के अलावा एचसीएल टेक 0.67 फीसदी और कोटक महिंद्रा बैंक 0.33 फीसदी व टाटा मोटर्स के शेयरों इससे पहले आज सुबह बाजार थोड़ी बहुत बढ़त के साथ खुला। टाटा मोटर्स और बैंकिंग शेयरों में बढ़त से बाजार को बल मिला।सेंसेक्स की तरह ही निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ शुरु हुआ। हालांकि, इंडेक्स में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।यह 31.05

अंक की कमजोरी के साथ 24,383.35 अंक पर कारोबार कर रहा था। पिछले सत्र में सेंसेक्स 105.71 अंक बढ़कर 80,746.78 पर और एनएसई निफ्टी 34.80 अंक बढ़कर 24,414.40 पर बंद हुआ था। वहीं एशियाई बाजारों में चीन का सीएसआई 300 0.16 प्रतिशत ऊपर था जबकि शंघाई 0.01 प्रतिशत नीचे था। हांगकांग का हैंग सेंग 0.45 प्रतिशत नीचे और जापान का निक्केई 0.07 प्रतिशत ऊपर जबकि ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.12 प्रतिशत ऊपर था। वॉल स्ट्रीट इंडेक्सिस में बुधवार को बढ़त दर्ज की गई। सेमीकंडक्टर स्टॉक्स में तेजी से बाजार चढ़कर बंद हुए। रिपोर्ट्स के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स पर विनियमन में ढील दी जाएगी। इसके चलते सेमीकंडक्टर स्टॉक्स में तेजी आई। नैस्डैक 0.27 प्रतिशत, एसएंडपी 500 0.43 प्रतिशत और डॉव जोन्स 0.7 प्रतिशत ऊपर कारोबार कर रहा था। में 0.21 फीसदी) और इंफोसिस के शेयरों में 0.18 फीसदी की बढ़त रही।

फॉर्च्यूनर अब नए डीजल माइल्ड हाइब्रिड वर्जन में होगी लॉन्च

नई दिल्ली।

भारत में टोयोटा की फुल-साइज़ एसयूवी फॉर्च्यूनर अब नए डीजल माइल्ड हाइब्रिड वर्जन में लॉन्च होने जा रही है। जानकारी के मुताबिक, यह नई फॉर्च्यूनर जून 2025 में भारतीय बाजार में पेश की जा सकती है। फिलहाल यह मॉडल दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में पहले से ही उपलब्ध है। इस हाइब्रिड वर्जन में 2.8 लीटर डीजल इंजन के साथ 48 वोल्ट का माइल्ड हाइब्रिड सिस्टम दिया जाएगा, जो 3,000 आरपीएम पर 201 बीएचपी की ताकत और 1,600 आरपीएम पर 500 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। यह केवल 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन में आएगी और इसे 2डब्ल्यूडी और 4डब्ल्यूडी दोनों विकल्पों में पेश किया जाएगा। भारत में मौजूदा फॉर्च्यूनर दो इंजन विकल्पों में उपलब्ध है, जिनमें एक 2.7 लीटर पेट्रोल और दूसरा 2.8 लीटर डीजल इंजन है। पेट्रोल वेरिएंट 164 बीएचपी और 245 एनएम टॉर्क देता है, जबकि डीजल वर्जन ऑटोमैटिक में 500 एनएम और मैनुअल में 420 एनएम टॉर्क पैदा करता है। भारत में फॉर्च्यूनर पेट्रोल की कीमत 35.37 लाख रुपये से शुरू होती है जबकि डीजल वर्जन की शुरुआती कीमत 36.33 लाख रुपये है। नई हाइब्रिड फॉर्च्यूनर इनसे थोड़ी अधिक कीमत पर लॉन्च हो सकती है। कंपनी का दावा है कि माइल्ड हाइब्रिड तकनीक के कारण फॉर्च्यूनर की फ्यूल इकॉनमी करीब 10 प्रतिशत तक बेहतर हो जाएगी। साथ ही एसयूवी की परफॉर्मेंस, स्मूदनेस और ऑफ-रोड क्षमता पहले जैसी ही बनी रहेगी। इसकी ऑफ-रोड क्षमताओं में कोई कमी नहीं आएगी और यह 700 मिमी गहरे पानी में भी आसानी से चल सकती है।

टाटा ग्रुप की वोल्टास ने कमाया दोगुना मुनाफा

अब हर शेयर पर देगी 7 रुपए डिविडेंड, 1850 रुपये का बड़ा टारगेट प्राइस

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की एक अन्य कंपनी वोल्टास लिमिटेड, ने नए रिकॉर्ड नतीजों के साथ तीन महीनों में मामूली कमाई की गुणजति दिखाई है। कंपनी ने इस अवधि में 107 फीसदी का मुनाफा दर्ज किया है, जिसके परिणामस्वरूप मुनाफा दोगुना हो गया है। ब्रोकरेज हाउस ने वोल्टास के शेयरों पर टारगेट प्राइस को बढ़ाया है। सभी ब्रोकरेज फर्म ने वोल्टास के शेयरों पर महंगे टारगेट प्राइस दिए हैं, जिससे कारोबारी सत्र में इसमें उच्च गति की संभावना है। वोल्टास ने मार्च तिमाही में अपने नतीजों को घोषित किया, जिसमें उन्होंने अपनी आईन्द्रिय अवधि में 108 फीसदी की आमदनी प्राप्त की है। कंपनी का रेवेन्यू भी बढ़कर 4767.6 करोड़ रुपये हो गया है, जो 4203 करोड़ रुपये के पिछले साल के मुकाबले है। इसके साथ ही, वोल्टास ने शेयरधारकों को प्रति शेयर 7 रुपये के डिविडेंड की सिफारिश की है। रिजल्ट एक्सपर्ट्स का कहना है कि वोल्टास के बेहतर नतीजों के बाद भी उनके पुराने अनुमानों से कम रहे हैं, जिसका प्रभाव शेयरों की कीमतों पर भी पड़ सकता है। कल वोल्टास के भावनात्मक शेयर बीएसई पर 1.19व उछाल कर 1244.25 पर बंद हुए थे। इस अवधि में उच्च स्तर पर टारगेट प्राइस देने पर ब्रोकरेज फर्मों की संकेतिक रेटिंग भी अत्यधिक मान्यवर है।

पीएनबी ने 2025 की चौथी तिमाही के लिए 4,567 करोड़ का शुद्ध लाभ किया दर्ज

नई दिल्ली।

सरकारी स्वामित्व वाले पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने वित्त वर्ष 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही के लिए 4,567 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इस अवधि के 3,010 करोड़ रुपए के आंकड़े से 51.7 फीसदी ज्यादा है। पीएनबी ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2.90 रुपए प्रति इक्विटी शेयर का लाभांश घोषित किया है।

जमा पर दिए गए ब्याज और ऋण पर अर्जित ब्याज के बीच का अंतर, बैंक की शुद्ध ब्याज आय चौथी तिमाही के लिए 4 फीसदी बढ़कर 10,757 करोड़ हो गई।

पीएनबी बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 2 रुपए अंकित मूल्य के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 2.90 रुपए का लाभांश देने की सिफारिश की। लाभांश बैंक की आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता की परिसंपत्ति गुणवत्ता जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान बेहतर हुई, जिसमें ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स पिछली तिमाही के 4.09 फीसदी से घटकर 3.95 फीसदी हो गईं।

चौथी तिमाही में नेट नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स मामूली रूप से घटकर 0.41 फीसदी रह गईं, जो तीसरी तिमाही में 0.4 फीसदी थीं। पीएनबी बोर्ड ने बेसल-3 अनुपालन बॉन्ड जारी कर 8,000 करोड़ की नई फंडिंग जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसमें 4,000 करोड़ रुपए तक के अतिरिक्त टियर-1 बॉन्ड और 4,000 करोड़ रुपए तक के टियर-2 बॉन्ड शामिल हैं।

जिन्हें वित्त वर्ष 2026 के दौरान एक या ज्यादा किस्तों में जुटाया जाएगा। पीएनबी का वैश्विक कारोबार वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 14.03 फीसदी से बढ़कर 26,83,260 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 23,53,038 करोड़ रुपए था। वैश्विक जमा राशियों में सालाना आधार पर 14.38 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो मार्च 2025 तक 15,66,623 करोड़ रुपए हो गई, जो मार्च 2024 तक 13,69,713 करोड़ रुपए थी। ग्लोबल एडवांस 9,83,325 करोड़ रुपए से 13.56 फीसदी बढ़कर 11,16,637 करोड़ रुपए हो गया।

नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर 10 मई से डिजिटल पेमेंट बंद

अब पेट्रोल-डीजल सिर्फ कैश में मिलेगा

नई दिल्ली।

देश भर में जहां डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं एक बड़ा फैसला महाराष्ट्र के नागपुर से सामने आया है, जिसने रोजाना पेट्रोल पंप पर जाने वाले लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मोबाइल स्कैन कर पेट्रोल भरवाने वाले वाहन चालकों के लिए अब मुश्किल खड़ी होने वाली है, क्योंकि नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट बैन कर दिया गया है। विदर्भ पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि 10 मई से नागपुर के सभी पेट्रोल पंपों पर डिजिटल पेमेंट को पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा। इसका सीधा मतलब है कि अब पेट्रोल या डीजल भरवाने के लिए आपको कैश लेकर जाना जरूरी होगा, वरना आपको ईंधन नहीं मिलेगा। फिलहाल लोग पेटीएम, गूगल पे, फोनपे, कार्ड आदि के जरिए भुगतान करते हैं, लेकिन यह सुविधा कुछ ही दिनों में बंद हो जाएगी। पेट्रोल पंप संचालकों ने पहले से ही ग्राहकों को सतर्क करना शुरू कर दिया है।

यह निर्णय किसी तकनीकी खराबी या सरकारी आदेश के तहत नहीं लिया गया, बल्कि पेट्रोल पंप मालिकों की साइबर फ्रॉड से तंग आकर लिया गया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि पिछले कुछ समय में लगातार ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां लोग नकली या फर्जी डिजिटल ट्रांजेक्शन दिखाकर पेट्रोल भरवा लेते हैं। इसके बाद वे राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर झूठी शिकायत दर्ज करवा देते हैं कि उनका पैसा काट लिया गया, जिससे पेट्रोल पंप मालिकों के बैंक खाते सीज (फ्रीज़) हो जाते हैं। इसके चलते पेट्रोल पंप के संचालन पर बड़ा असर पड़ा है।

नई इलेक्ट्रिक कार विंडसर ईवी प्रो लांच

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में नई इलेक्ट्रिक कार विंडसर ईवी प्रो को लॉन्च कर दिया है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की इस कार की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत बैटरी सहित 17.49 लाख रुपये और बैटरी रेंटल स्कीम के तहत 12.50 लाख रुपये तय की गई है। यह कीमत पहले 8,000 ग्राहकों के लिए मान्य होगी। कंपनी ने बैटरी रेंटल स्कीम के तहत ग्राहकों से प्रति किलोमीटर 4.50 रुपये की दर से शुल्क लेने का फैसला किया है, जबकि स्टैंडर्ड विंडसर ईवी के लिए यह दर 3.50 रुपये प्रति किमी होगी। खास बात यह है कि इस कार के पहले मालिक को बैटरी पर आजीवन वारंटी भी दी जाएगी। विंडसर ईवी प्रो में 52.9 केडब्ल्यूएच का बड़ा बैटरी पैक दिया गया है, जो एक बार फुल चार्ज होने पर 449 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है। यह बैटरी एमजी ज़ेडएस ईवी की तरह ही फ्रंट-व्हील ड्राइव पर काम करने वाली पीएमएस मोटर को पावर देती है, जो 134 बीएचपी की पावर और 200 एनएम का टॉर्क जनरेट करती है। कार की टॉप स्पीड 170 किलोमीटर प्रति घंटा है और यह 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार सिर्फ 8.6 सेकंड में पकड़ सकती है। डिजाइन की बात करें तो नया मॉडल पुराने विंडसर जैसा ही दिखता है, बस इसके टेलगेट पर प्रो बैज जोड़ा गया है। कार तीन रंगों- सीडान ब्ल्यू, ग्लाज़ रेड और औरोरा सिल्वर में उपलब्ध है। इसके केबिन में डुअल-टोन आइवरी इंटीरियर दिया गया है।

ग्राहकों को नई बजाज पल्सर एनएस400झेड बेहतरीन विकल्प

नई दिल्ली।

वर्तमान में ग्राहकों के लिए बजाज की नई पल्सर एनएस400झेड बेहतरीन विकल्प हो सकती है। नई एनएस400झेड में अब पीछे की ओर 150 सैक्शन वाले अपोलो अल्फा एच1 रेडियल टायर्स दिए गए हैं, जो पहले के 140 सैक्शन वाले एमआरएफ आरईवीझेड टायर्स की तुलना में बेहतर ग्रिप और हाई-स्पीड स्टेबिलिटी प्रदान करते हैं। फ्रंट टायर भी अब अपोलो कंपनी का ही है, हालांकि उसका साइज पहले जैसा ही रखा गया है। ब्रेकिंग सिस्टम में भी बड़ा बदलाव किया गया है। अब इसमें ऑर्गेनिक ब्रेक पैड्स की जगह सिंटरड ब्रेक पैड्स का इस्तेमाल हुआ है, जिससे बाइक की ब्रेकिंग परफॉर्मेंस और स्टॉपिंग पावर पहले से ज्यादा मजबूत हो गई है। यह खासतौर पर हाई-स्पीड राइडिंग के दौरान उपयोगी साबित होगा। नई पल्सर एनएम400झेड को ओबीडी-2बी एमिशन नॉर्म्स के अनुसार अपडेट किया गया है, लेकिन इसकी पावर और टॉर्क आउटपुट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह बाइक अब भी 39.4 बीएचपी की पावर और 35 एनएम का टॉर्क देती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें फुल एलईडी लाइटिंग, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्विचेबल ट्रैक्शन कंट्रोल और चार राइडिंग मोड्स - रोड, रेन, स्पोर्ट और ऑफ-रोड मिलते हैं। मस्क्युलर डिजाइन और अग्रेसिव स्टाइलिंग इसे युवा राइडर्स के बीच और भी आकर्षक बनाती है। पल्सर एनएस400झेड अब लॉन्च से पहले ही काफी चर्चा में है और इसके स्पेसिफिकेशन्स इसे बजाज की सबसे दमदार स्पोर्ट्स बाइक्स में से एक बनाते हैं। बता दें कि यह बाइक लॉन्च से पहले ही देशभर के शोरूम में नजर आने लगी है और इसके लेटेस्ट अपडेट्स ने बाइक प्रेमियों को खासा उत्साहित कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल में आज आरसीबी का सामना करेगी सुपर जायंट्स

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी। इकाना स्टेडियमय में होने वाले इस मैच में सुपर जायंट्स जीतने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देगी क्योंकि अब एक भी हार उसके प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर देगी। उसके अभी 10 अंक हैं और आने वाले तीनों की मैच उसे जीतने होंगे हालंकि उसके लिए आरसीबी का सामना करना आसान नहीं होगा। आरसीबी ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उसका मनोबल भी काफी बढ़ा हुआ है। उसके अभी 16 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में जगह बनाने केवल एक जीत की जरुरत है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में आरसीबी का पलड़ा हल्का भारी नजर आता है। यहां लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच अब तक कुल पांच आईपीएल मुकाबले हुए हैं, जिसमें आरसीबी ने 3 और एलएसजी ने 2 जीते हैं। इससे साफ है कि दोनों टीमें एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देती हैं और मामला एकतरफा नहीं है। इकाना स्टेडियम की पिच गेंदबाजों की सहयक रही है। ऐसे में यहां बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा। सुपर जाइंट्स की सबसे बड़ी परेशानी उसके कप्तान और प्रमुख बल्लेबाज ऋषभ पंत का अबतक असफल होना है, उसकी बल्लेबाजी अब तक निकोलस पूरन पर ही टिकी रही है पर जीत के लिए अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। मयंक यादव के आने से टीम की गेंदबाजी मजबूत हुई है। वहीं आरसीबी की बल्लेबाजी विराट के अलावा कप्तान रजत पाटीदार पर निर्भर है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी भुवनेश्वर कुमार पर रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

लखनऊ सुपर जाइंट्स : एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आयुष बडोनी, डेविड मिलर, आकाश महाराज सिंह, दिग्वेश सिंह राठी, अवेश खान, मयंक यादव, प्रिंस यादव। इम्पैक्ट प्लेयर- मिशेल मार्श।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : जैकब बेथेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, ऋणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, लुंगी एनगिडी, यश दयाल, सुयश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर- फिलिप साल्ट।

करांची किंग्स और पेशावर जाल्मी के बीच रावलपिंडी में होने वाला पीएसएल मैच स्थगित

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बृहस्पतिवार को रावलपिंडी में करांची किंग्स और पेशावर जाल्मी के बीच होने वाले पाकिस्तान सुपर लीग मैच को बाद में कराने का फैसला किया है जिसकी तारीख की घोषणा आगे की जाएगी।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर किए गए हमलों के बाद पीसीबी को यह फैसला करना पड़ा। पिंडी स्टेडियम में आयोजित की जा रही टी20 लीग अपने अंतिम चरण में है जिसमें छह फ्रेंचाइजी शामिल हैं।

क्रिकेट बोर्ड ने मीडिया को दिए गए एक बयान में कहा, 'पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सभी हितधारकों के परामर्श से आज रात पेशावर जाल्मी और करांची किंग्स के बीच होने वाले पीएसएल मैच को किसी अन्य तारीख में करने का फैसला किया है। पीसीबी संशोधित तिथि की घोषणा उचित समय पर करेगा।'

भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइल हमले किए जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के गढ़ शामिल हैं। ये हमले पहलगाम में हुए हमले के जवाब में किए गए जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

संन्यास पर बोले महेंद्र सिंह धोनी, यह मत भूलिए कि मैं 42 साल का हूं

कोलकाता (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ दो विकेट की जीत के बाद स्वीकार किया कि वह अपने करियर के अंतिम चरण में है लेकिन साथ ही कहा कि उनका तुरंत संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है और वह समय के साथ इस बारे में फैसला करेंगे।

कप्तान अजिंक्य रहाणे (48), आंद्रे रसेल (38) और मनीष पांडे (नाबाद 36) की पारियों से नाइट राइट राइडर्स ने छह विकेट पर 179 रन बनाए जिसके जवाब में सुपरकिंग्स ने 60 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद डेवाल्ड ब्रेविस (52 रन, 25 गेंद, चार छक्के, चार चौके) के अर्धशतक और शिवम दुबे (45 रन, 40 गेंद, तीन छक्के, दो चौके) के साथ उनकी छठे विकेट की 67 रन की साझेदारी से 19.4 ओवर में आठ विकेट पर 183 रन बनाकर जीत दर्ज की।

सुपर किंग्स की टीम ने इस जीत के साथ लगातार चार हार के क्रम को तोड़ा जिसके बाद धोनी ने समर्थन के लिए दर्शकों की सराहना की और संकेत दिया कि उनका मौजूदा सत्र खत्म होने के साथ संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। धोनी ने मैच के बाद कहा, 'यही वह प्यार और स्नेह है जो मुझे हमेशा मिलता रहा है। यह मत भूलिए कि मैं 42 साल का हूं। मैं लंबे समय तक खेला हूं। उनमें से बहुतों को नहीं पता कि मेरा आखिरी मैच कब होगा (मुस्कुराते हुए) इसलिए वे आकर मुझे खेलते हुए देखना चाहते हैं।'

उन्होंने कहा, 'इस तथ्य से बचा नहीं जा सकता (कि मैं अपने करियर के अंतिम चरण में हूं)। इस आईपीएल के खत्म होने के बाद छह से आठ महीने और कड़ी मेहनत करनी होगी और देखना होगा कि मेरा शरीर इस दबाव को झेल सकता है या नहीं। अभी कुछ तय नहीं करना है लेकिन मैंने जो प्यार और स्नेह देखा है, वह शानदार है।'

'बुमराह को मौका मिलना चाहिए...': भारत के अगले टेस्ट कप्तान पर पूर्व क्रिकेटर ने दी राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मदन लाल ने कहा कि रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भविष्य में टीम की कमान संभालने का मौका दिया जाना चाहिए। रोहित ने 11 साल के टेस्ट करियर को अलविदा कह दिया जिससे इस साल जून में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत से पहले नए कप्तान पर बहस तेज हो गई है।

अगले कप्तान के संभावित उम्मीदवार के बारे में बात करते हुए मदन लाल ने कहा, 'जसप्रीत बुमराह को मौका मिलना चाहिए। वह बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह टीम के स्थायी सदस्य हैं। हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जिन्हें उप-कप्तान बनाया जा सकता है...।'

2022-25 के बीच बुमराह ने तीन टेस्ट मैचों में भारत की अगुआई की, जिसमें से एक में जीत मिली और दो में हार मिली। वह पहले भी टेस्ट में भारत के उप-कप्तान रह चुके हैं। टेस्ट में उनकी कप्तानी का कार्यकाल 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें पुनर्निर्धारित टेस्ट के साथ शुरू हुआ जिसमें भारत सात विकेट से हार गया। कप्तान के रूप में उनका अगला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पर्थ में हुआ, जहां उन्होंने भारत को यादगार 295 रनों की जीत दिलाई और श्रृंखला में 1-0 की बढ़त दिलाई। यह श्रृंखला में टीम की एकमात्र जीत भी थी। सिडनी में अंतिम टेस्ट में भारत के 1-2 से पिछड़ने के बाद वह कप्तान के रूप में लौटे लेकिन भारत टेस्ट और श्रृंखला 1-3 से हार गया और आधिकारिक तौर पर ICC विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की दौड़ से बाहर हो गया। गौर हो कि रोहित ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का एक प्रसिद्ध अध्याय समाप्त हो गया। 38 वर्षीय बल्लेबाज ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर यह खबर साझा की, प्रशंसकों का आभार व्यक्त किया और खेल के सबसे लंबे प्रारूप में अपने सफर को दर्शाया। रोहित ने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और 67 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 40.57 की औसत से 12 शतक और 18 अर्द्धशतक के साथ 4,301 रन बनाए।

डेवाल्ड ब्रूइस को इशारा करना पड़ा महंगा, वरुण चक्रवर्ती पर लगा भारी जुर्माना

कोलकाता ।कोलकाता नाइट राइडर्स के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है।प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी चेन्नई की टीम ने बुधवार को ईडन गार्डन्स में दो विकेट से जीत हासिल की। इससे कोलकाता की टीम के बीच प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना लगभग खत्म हो गई है। आईपीएल के बयान में घटना का ब्योरा दिए बिना कहा गया है, 'वरुण चक्रवर्ती ने अनुच्छेद 2.5 के तहत लेवल 1 का अपराध और मैच रेफरी का फैसला स्वीकार कर लिया है। आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम होता है।'

अनुच्छेद 2.5 किसी भी ''किसी खिलाड़ी द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा या इशारे से संबंधित है जो आउट होने पर बल्लेबाज की ओर निर्देशित होता है।' मैच में दो विकेट हासिल करने वाले चक्रवर्ती ने डेवाल्ड ब्रूइस को 52 रन पर आउट करने के बाद उन्हें मैदान छोड़ने का इशारा किया था। दक्षिण अफ्रीका के इस बल्लेबाज ने चेन्नई की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज से बोनस अंक दे सकता है आईसीसी

दुबई ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भारत और इंग्लैंड के बीच जून में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से शुरु होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025-27 चक्र से बोनस अंक दे सकती है।वर्तमान नियमों के अनुसार अभी छोटे अंतर या एक पारी के अंतर से जीतने वाली टीम को 12 अंक, मैच टाई होने पर छह अंक और ड्रॉ रहने पर चार अंक मिलते हैं पर अब आईसीसी बड़े अंतर से मिलने वाली जीत या पारी के अंतर की जीत पर बोनस अंक दे सकती है।प्राप्त जानकारी के अनुसार डब्लयूटीसी सत्र शुरू होने से ही पारी की जीत पर बोनस अंक देने जैसे मामलों पर बात हो रही है क्योंकि कई टीमों का मानना है कि बड़ी टीमों को हराने पर उन्हें उतना लाभ नहीं मिल रहा है जितना मिलना चाहिये। वहीं एक पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'अगर ऐसा होता है तो ये अच्छी शुरुआत होगी। इससे दोनो ही टीमों को बेहतर परिणाम देने की प्रेरणा मिलेगी।इसके साथ ही आईसीसी विरोधी टीम के मैदान पर जीत दर्ज करने पर भी अतिरिक्त अंक दे सकती है।इसका कारण है कि किसी भी टीम को उसके ही घरेलू मैदाना पर हराना आसान नहीं होता।

रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास से रहाणे हैरान, कहा- मैं बस उन्हें शुभकामनाएं देना चाहता हूं

कोलकाता । रोहित शर्मा के अचानक टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले ने मुंबई और भारतीय टीम के उनके साथी अजिंक्य रहाणे को भी चौंका दिया। रोहित ने जब टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की तब रहाणे कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच में खेल रहे थे। उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। नाइट राइडर्स के कप्तान ने ईडन गार्डन्स में चेन्नई सुपर किंग्स से दो विकेट की हार के बाद मीडिया से कहा, 'ओह, क्या ऐसा है? मैं बस उन्हें शुभकामनाएं देना चाहता हूं। उन्होंने टेस्ट प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे (संन्यास के बारे में) नहीं पता था।' उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में हैरान हूं। मुझे नहीं पता था कि उन्होंने टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया है। लेकिन मैं बस उन्हें शुभकामनाएं देना चाहता हूं। उन्होंने वास्तव में टेस्ट बल्लेबाज के रूप में अपने खेल में काफी सुधार किया था। उन्होंने हमेशा स्वच्छंद होकर खेलने को प्राथमिकता दी।'

युवराज सहित कई क्रिकेटरों ने रोहित के योगदान को सराहा और उन्हें शांत योद्धा' बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के साथ ही एक युग का समापन हो गया। रोहित ने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को लगातार आगे बढ़ाया। वह एक सफल नेतृत्वकर्ता' के रूप में उभरे और 'ड्रेसिंग रूम में उनकी कमी हमेशा खेलेगी। वह अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट में ही खेलेंगे। रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर प्रशंसकों के साथ ही क्रिकेटरों ने भी उनकी सराहना की है। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने उन्हें एक 'शांत योद्धा' बताया।

युवराज ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में आपसे बहुत कुछ अपेक्षित है - जज्बा, धैर्य और चरित्र। भाई, आपने इसमें अपना सब कुछ लगा दिया और इसे बेहद सहज बना दिया। एक शांत योद्धा से लेकर शीर्ष पर एक नेतृत्वकर्ता तक, आपकी यात्रा विशेष रही है। आप पर गर्व है, शुभकामनाएं।'

वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टेस्ट टीम में रोहित की अनुपस्थिति के कारण पैदा हुए भावनात्मक शून्य को दोहराया।

पंत ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आपकी उपस्थिति और प्रभाव हमेशा ड्रेसिंग रूम में गूंजता रहेगा। हमेशा के लिए प्यार रोहित भाई।'

पूर्व भारतीय विकेटकीपर पार्थिव पटेल ने कहा, 'एक युग का अंत ! रोहित टेस्ट क्रिकेट में आपका धैर्य, अनुग्रह और नेतृत्व हमेशा भारत की क्रिकेट यात्रा का एक बड़ा हिस्सा रहेगा। यादों के लिए धन्यवाद, कप्तान !'

वहीं पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने महसूस किया कि रोहित ने 'सही समय पर सही निर्णय लिया।'

वहीं बल्लेबाज मयंक अग्रवाल ने पुरानी यादों को ताजा किया।

मयंक ने लिखा, 'पवेलियन से बाहर आना, 22 गज की पिच पर आपसी समझ, ड्रेसिंग रूम में हंसी-मजाक और मैदान पर हावी होने की मानसिकता। आपके साथ सफेद कपड़ों में ये यादें साझा करके खुशी हुई।'

पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह ने एक खिलाड़ी और एक नेता के रूप में भारतीय क्रिकेट में रोहित के 'अतुलनीय' योगदान को याद किया।

उन्होंने लिखा, 'रोहित को बहुत-बहुत सलाम! भारतीय क्रिकेट में आपका योगदान अतुलनीय है। रोमांचक पारियों से लेकर जुनून और गर्व के साथ टीम का नेतृत्व करने तक, आपने अपना सब कुछ झोंक दिया है। आपको एक अच्छी छुट्टी और खुशियों से भरे भविष्य की शुभकामनाएं!'

युवा भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल जायसवाल ने कहा, 'रोहित भाई, सफेद कपड़ों में आपके साथ क्रीज साझा करना किसी आशीर्वाद से कम नहीं था। हर चीज के लिए धन्यवाद।'

भारतीय क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने लिखा, ''रोहित का भारतीय क्रिकेट पर प्रभाव रिकॉर्ड और आंकड़ों से कहीं बढ़कर है। वह टीम में धैर्य और आश्वासन की भावना लाए- एक खिलाड़ी और एक कप्तान के रूप में। दबाव में शांत रहने और टीम की जरूरतों को लगातार अपनी जरूरतों से ऊपर रखने की उनकी क्षमता ने उन्हें वास्तव में एक विशेष खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता बनाया।'

उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेट भाग्यशाली रहा है कि उसे रोहित जैसा खिलाड़ी मिला - जिसने पेशेवरपन और खेल भावना के उच्चतम मानकों को बरकरार रखा। वह ना केवल एक उल्लेखनीय खेल रिकॉर्ड, बल्कि अनुशासन और निस्वार्थता की संस्कृति को पीछे छोड़ गए हैं जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।'

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने इंग्लैंड में रोहित की उपलब्धियोंको याद करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

पठान ने कहा, 'आपके टेस्ट करियर के लिए रोहित को बधाई। इंग्लैंड में 2021 की टेस्ट श्रृंखला को आपकी वीरता के लिए याद किया जाएगा। अपने अगले चरण के लिए शुभकामनाएं।'

ओलंपिक के लिए लवलीना को बदलना होगा वजन वर्ग

नई दिल्ली ।अब अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए 75 किग्रा भार वर्ग को समाप्त कर दिया है।ऐसे में भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन को अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक को देखते हुए अपना वजना वर्ग बदलना होगा। लवलीना अब तक 75 किग्रा भार वर्ग में उतरती रही हैं पर उन्हें अब या तो 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा या 80 किग्रा से अधिक वजन वर्ग में उतरना होगा। आईओसी की घोषणा को देखते हुए लवलीना ने कहा, ''यह मेरे लिए बिल्कुल नई जानकारी है। यह काफी चौंकाने वाली है। मुझे लगता है कि मुझे 70 किग्रा तक नीचे जाना होगा क्योंकि मेरे लिए 80 किग्रा से अधिक तक जाना मुश्किल होगा।'' उनकी निजी कोच प्रणामिका बोरा भी इस बदलाव हैरान थी लेकिन उन्होंने कहा कि फिटनेस और चिकित्सा मूल्यांकन के बाद ही नए वजन वर्ग को लेकर कोई अंतिम फैसला किया जाएगा। बोरा ने कहा, '''इस खबर से मैं वास्तव में हैरान हूं। अभी किसी फैसले पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। वह 70 और 80 दोनों वजन वर्गों में उतर सकती है लेकिन हमें इस पर फैसला करने से पहले कुछ परीक्षण करने होंगे।''अभी बोरगोहेन का वजन 74 किलोग्राम है और बोरा ने कहा कि बहुत अधिक वजन कम करने से ताकत में कमी आ सकती है। इसलिए हम देखेंगे कि उसे किस चीज से अधिक फायदा मिलता है।'' इस महिला मुक्केबाजी को पिछले महीने ही 2028 ओलंपिक में शामिल करने की पुष्टि की गई थी।

राणा आईपीएल से बाहर हुए, प्रीटोरियस शामिल

नई दिल्ली । राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज नितीश राणा आईपीएल से बाहर हो गये हैं। राणा की जगह पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज लुआन-ड्रे प्रीटोरियस को शामिल किया गया है। प्रीटोरियस को 30 लाख रुपए के आधार मूल्य पर टीम के साथ जोड़ा गया है। रॉयल्स की टीम हालांकि प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। ।हालांकि उन्हें लीग स्तर के बचे दो और मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में टीम इस विदेशी खिलाड़ियों को वह अगले सत्र के लिए जांच रही हैं। राणा की जगह पर शामिल प्रीटोरियस ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 97 के उच्चतम स्कोर के साथ 911 रन बनाए हैं। वह रॉयल्स में अपने आधार मूल्य 30 लाख में शामिल किय गये हैं। राणा ने इस सीजन 11 मैच में दो अर्धशतक सहित 217 रन बनाये हैं। प्रीटोरियस दक्षिण अफ्रीका के विकेट कीपर बल्लेबाज हैं, जिन्होंने हाल ही में लीग के दौरान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। प्रीटोरियस ने 33 टी20 मैच खेले हैं और 911 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 97 रहा है, जो इस साल की शुरुआत में एसए 20 टीम पार्ल रॉयल्स के लिए उनके डेब्यू पर आया था। वह एसए 20 टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिन्होंने 12 पारियों में 166.8 की स्ट्राइक रेट से 397 रन बनाए हैं।

बावुमा का डब्ल्यूटीसी फाइनल में खेलना संदिग्ध

जोहान्सबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के टेस्ट कैप्टन टेम्बा बावुमा के जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में खेलने को लेकर आशंकाएं हैं। बाउमा अभी तक कोहनी की चोट से नहीं उबरे हैं। डब्ल्यूटीसी का फाइनल मुकाबला 11 जून से शुरु होगा और इसमें अभी दो माह का ही समय है। बावुमा कोहनी में चोट के कारण घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट टूर्नामेंट से भी बाहर हैं। बावुमा पहले फाइनल के लिए केप टाउन से लायंस टीम के साथ जुड़ने वाले थे पर अब भी फिट नहीं होने के कारण उन्हें बाहर बैठना पड़ा है। ये पहली बार नहीं है जब बावुमा खराब फिटनेस के कारण मुकाबलों से बाहर हैं। वह साल 2022 में भी अपनी बाईं कोहनी की चोट से परेशान थे। जिससे उन्हें काफी समय बाहर रहना पड़ा और वह तब इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गये थे। पिछले साल भी अबू धाबी में एक एकदिवसीय में आयरलैंड के खिलाफ एक रन लेते हुए वह अजीब तरह से कोहनी के बल गिरने के बाद बाहर हो गये गये थे। इसके बाद बावुमा ने वापसी करते हुए श्रीलंका के खिलाफ चार अर्धशतक के साथ वापसी की। उन्होंने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी की थी पर वह अपनी कोहनी पर भारी स्ट्रैपिंग के साथ उतरे थे। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से ही वह खेल से दूर हैं।

रोहित का लक्ष्य 2027 में वनडे विश्व कप जीतना है : बचपन के कोच दिनेश लाड ने किया खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली-टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर क्रिकेट जगत को हैरान करने वाले रोहित शर्मा के बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि इस स्टार बल्लेबाज का लक्ष्य 2027 में एकदिवसीय विश्व विश्व कप जीतना है। भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप और इस साल के शुरू में चैंपियंस ट्रॉफी एक दिवसीय टूर्नामेंट जीता था।

भारत ने 2011 के बाद वनडे विश्व कप नहीं जीता है और देश के सबसे सफल कप्तानों में से एक रोहित यह ट्रॉफी भी अपने नाम पर दर्ज करना चाहेंगे। लाड ने कहा, 'उनका (रोहित) लक्ष्य 2027 वनडे विश्व कप जीतना और फिर संन्यास लेना है।' लाड ने कहा, 'उनका लक्ष्य विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप था, लेकिन दुर्भाग्य से हम क्वालीफाई नहीं कर सके। अब 2027 में विश्व कप है। मैं भी चाहता हूं कि वह 2027 में विश्व कप जीते और फिर संन्यास लें।'

वनडे विश्व कप 2027 में अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है। लाड ने कहा कि इस दिग्गज खिलाड़ी का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना अपने करियर को लंबा खींचने के लिए एक रणनीतिक फैसला है। उन्होंने कहा, 'रोहित ने इसे (टेस्ट से संन्यास लेने का फैसला) जल्दबाजी में नहीं लिया। वह विश्व कप (पिछले साल अमेरिका में) के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेलना चाहते थे, लेकिन अन्य दो प्रारूपों में खेलने का फैसला उनका था। उन्होंने इस बारे में अच्छी तरह से सोचा होगा कि उनके लिए सबसे अच्छा क्या है।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या रोहित इंग्लैंड के खिलाफ इस साल जून में होने वाली पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला में कप्तानी करने को लेकर आश्वस्त नहीं थे, उन्होंने कहा, 'इस फैसले का इंग्लैंड के आगामी दौरे से कोई लेना-देना नहीं है। उनकी सोच अगली पीढ़ी को मौका देना होगा, जैसा उन्होंने पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद किया था।' लाड ने यह भी साझा किया कि वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित की टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण पर खेली गई शतकीय पारी उनका सबसे यादगार पल था। रोहित ने 2013 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 177 रन बनाए थे। उन्होंने कहा, 'वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उनका पहला टेस्ट शतक था। यह उनकी मेरी पसंदीदा टेस्ट पारी है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इम्यूनिटी बढ़ाने और तनाव खत्म करने में मदद करता है लाफ्टर थेरेपी, जानिए इसके फायदे

अंग्रेजी की एक कहावत लाफ्टर इज द बेस्ट मेडिसन के बारे में तो आप सभी ने सुना होगा। लेकिन वर्तमान समय में लोग शायद इस कहावत को जैसे भूल चुके हैं। आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से लोगों के पास खुलकर हंसने का भी समय नहीं है। लेकिन अगर आप दिनभर में सिर्फ एक बार खुलकर हंसते हैं, तो इससे आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। बता दें कि खुलकर हंसने को लाफ्टर थेरेपी या हास्य योग भी कहा जाता है।

लाफ्टर थेरेपी में सिर्फ खुलकर हंसा जाता है। यह योग एक प्राकृतिक तरीका है मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को ठीक रखने का। हालांकि बहुत सारे लोगों को इसके लाभ के बारे में नहीं पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हास्य योग के फायदे के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आप भी अपनी डेली रूटीन का हिस्सा बना लेना चाहिए और खुद को फिट रख सकते हैं।

तनाव से मिलेगी मुक्ति

अगर आप दिन में लाफ्टर क्लब में अपने दोस्तों, करीबियों और परिवार के साथ कुछ समय बिताते हैं और खुलकर हंसते हैं। तो इससे तनाव से राहत मिलती है। क्योंकि जब आप खुलकर हंसते हैं, तो शरीर में एंडोर्फिन नामक हार्मोन रिलीज होता है। जोकि आपके मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने के साथ ही तनाव को भी कम करता है।

दिल होगा मजबूत

जब आप खुलकर हंसते हैं तो इससे आपका दिल मजबूत होता है। क्योंकि हंसने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है। इसलिए दिन में किसी ऐसे इंसान से जरूर बात करें, जिनसे बात करके आपको अच्छा महसूस होता है।

पाचन तंत्र में होगा सुधार

खुलकर हंसने से पेट की मांसपेशियों पर सीधा असर होता है। अगर आप दिन में एक अच्छे से हसेंगे तो इससे पाचन तंत्र भी मजबूत होगा। वहीं पेट संबंधी समस्याओं का खतरा भी कम होता है। साथ ही यह कैलोरी बर्न करने में भी सहायता करता है।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

बता दें कि हंसने की वजह से आपकी इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में आप बिता बात के लाफ्टर क्लब में हंसे या फिर अपने दोस्तों के साथ ठहाके लगाएं। इससे आपकी इम्यूनिटी पर अच्छा असर पड़ता है। क्योंकि हंसने से शरीर में ऑक्सीजन का संचार होता है और इम्यूनिटी भी मजबूत होती है।

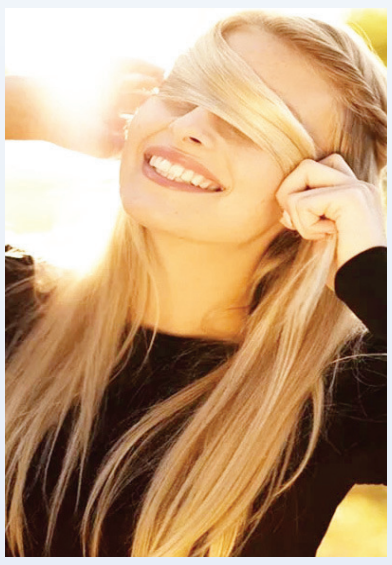

हाई कोलेस्ट्रॉल

को कंट्रोल करने में लाभकारी हो सकता है ये उपाय, दवाओं की नहीं पड़ेगी जरूरत

बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। जिन लोगों का खानपान और लाइफस्टाइल ठीक नहीं होता है, उन लोगों में हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या अधिक देखने को मिलती है। हालांकि हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए करने के लिए 80/20 उपाय एक लाइफस्टाइल के तौर पर अपनाया जा सकता है। 80/20 के उपाय में 80त्न समय सक्रिय रहने और व्यायाम करने पर जोर दिया जाता है, तो वहीं 20त्न का समय आराम के लिए होता है। वहीं डाइट और व्यायाम आदि के जरिए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। ऐसे में अगर आपका भी कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के लिए हम आपको हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल में रखने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

80/20 उपाय के लिए डाइट

फाइबर से भरपूर डाइट

फल, सब्जियां, दालें, साबुत अनाज और बीन्स में पर्याप्त मात्रा में घुलनशील फाइबर पाया जाता है, जोकि कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायता करता है।

स्वस्थ वसा

वहीं एवोकाडो, नट्स, ऑलिव ऑयल और अलसी के बीज में वसा पाई जाती है, जो हृदय की सेहत के लिए अच्छा होता है। वहीं यह हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं।

संतृप्त और ट्रांस वसा

डेयरी उत्पाद, लाल मांस और संसाधित खाद्य पदार्थों में संतृप्त वसा होती है। इसलिए हाई कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए संतृप्त और ट्रांस वसा का कम से कम सेवन करना चाहिए।

व्यायाम

नियमित रूप से दौड़ना, चलना, साइकिल चलाना और तैरना जैसे कार्डियो व्यायाम करना चाहिए। यह कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है।

इसके अलावा रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करना चाहिए। या फिर डॉक्टर द्वारा बताए गए व्यायाम करें।

अगर आप ऑफिस में काम करते हैं, तो थोड़ी-थोड़ी देर पर टहलते रहें या फिर अन्य तरीके से सक्रिय रहें।

वहीं वजन कम करने से भी एलडीएल कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है।

धूम्रपान

कोलेस्ट्रॉल की समस्या होने पर धूम्रपान का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ा सकता है और साथ ही धूम्रपान करने से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता है।

वहीं लहसुन और प्याज में कोलेस्ट्रॉल को कम करने वाले गुण पाए जाते हैं।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर अर्जुन की छाल को पानी में उबालकर पीने से यह समस्या काफी हद तक कम की जा सकती है।

कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए अधिक पानी पीना चाहिए।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

अगर कोलेस्ट्रॉल का लेवल अधिक है, तो डॉक्टर से फौरन संपर्क करना चाहिए। अगर आपको हाई कोलेस्ट्रॉल के लिए दवा की जरूरत है तो आपको डॉक्टर से परामर्श के बाद ही दवा का सेवन करना चाहिए। 80/20 का उपाय अपनाकर कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल किया जा सकता है। साथ ही यह हृदय रोग के खतरे को भी कम करता है।

सेब खाने के कितने देर बाद पानी पीना चाहिए?

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर सेब खाने की सलाह देते हैं। सेब का सेवन कर आप न केवल अपने इम्यून सिस्टम को बूस्ट कर सकते हैं बल्कि अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए सेब को सही तरीके से कंज्यूम करना बेहद जरूरी है। क्या आप जानते हैं कि सेब खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपकी सेहत पर नेगेटिव असर भी पड़ सकता है?

सेब कंज्यूम करने का तरीका

आप एक दिन में एक से दो सेब खा सकते हैं। सुबह-सुबह खाली पेट सेब का सेवन करने से बचना चाहिए। शाम के समय भी सेब खाने से सेहत पर पॉजिटिव की जगह नेगेटिव असर पड़ सकता है। सेब को नाश्ते के बाद कंज्यूम किया जा सकता है। सेब खाने के कम से कम आधे से एक घंटे बाद ही पानी पीना चाहिए। सेब का सेवन करने के तुरंत

बाद पानी पीना सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

गौर करने वाली बात

आइए जानते हैं कि आपको सेब खाने के तुरंत बाद किन-किन चीजों को कंज्यूम करने से बचना चाहिए। सेब खाने के बाद मूली या फिर अचार जैसी चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा इस फल को खाने के बाद चाय पीने से भी बचना चाहिए। सेब खाने के तुरंत बाद दूध पीना गट हेल्थ के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। सेब खाते समय आपको इन छोटी-छोटी बातों को अपने दिमाग में जरूर रखना चाहिए।

सेहत के लिए वरदान

दादी-नानी के जमाने से सेब को सेहत के लिए वरदान माना जाता रहा है। सेब आपकी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को बूस्ट कर मोटापे को दूर करने में भी कारगर साबित हो सकता है। सेब बोन हेल्थ से लेकर हार्ट हेल्थ तक, आपकी सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाने में मददगार साबित हो सकता है।

बढ़ती उम्र में जवां दिखने के लिए महिलाएं रोजाना करें ये एक्सरसाइज, सेहत को भी मिलेंगे फायदे

हर महिला के लिए 30-40 साल की उम्र का समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के हार्मोनल बदलाव होते हैं। जो महिलाओं के शारीरिक और मानसिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इन हार्मोनल बदलाव की वजह से 30 से 40 साल की उम्र की महिलाओं को मेटाबॉलिज्म भी धीमा हो जाता है। जिसकी वजह से महिलाओं को पाचन संबंधी समस्या और वजन आदि बढ़ने लगता है। वहीं 30 से 40 साल की उम्र में हेल्दी और फिट रहने के लिए महिलाओं को एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि इस उम्र में महिलाओं को कौन सी एक्सरसाइज करना चाहिए।

कार्डियो एक्सरसाइज

रोजाना 30 से 40 साल की उम्र वाली महिलाओं को कार्डियो एक्सरसाइज करना चाहिए। क्योंकि इससे आपकी दिल की सेहत में सुधार होता है और वेट कंट्रोल होता है। इसलिए रोजाना 30 मिनट जॉगिंग, वॉकिंग, स्विमिंग या साइकिलिंग जैसी एक्सरसाइज करना चाहिए। कार्डियो करने से उम्र के साथ हार्मोन असंतुलन भी ठीक होता है।

पिलाटेज

रोजाना 20 से 25 मिनट तक पिलाटेज एक्सरसाइज करने से महिलाओं की कोर स्ट्रेंथ मजबूत होती है और बैलेंस को मेंनटेन करने में सहायता मिलती है। वहीं 30 उम्र के बाद कमर, पीठ और शरीर के दर्द से राहत मिलती है।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करने से महिलाओं की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसलिए रोजाना पुशअप्स, स्क्वाट्स और वेट लिफ्टिंग जैसी एक्सरसाइज करना महिलाओं के लिए फायदेमंद होता है।

हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग

वहीं 30 साल की उम्र के बाद मेटाबॉलिज्म को स्ट्रांग बनाने और वेट लॉस में हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग लाभकारी होती है। यह एक्सरसाइज करने से शरीर की एक्स्ट्रा कैलोरी कम करने और फिट रहने में सहायता मिलती है।

ब्रीदिंग और बैलेंसिंग एक्सरसाइज

बता दें कि सांस संबंधित एक्सरसाइज जैसे डीप ब्रीदिंग और प्राणायाम करने से मानसिक तनाव कम होता है। वहीं रोजाना ब्रीदिंग करने से शरीर को पर्याप्त रूप से ऑक्सीजन मिलता है, जिससे शरीर का विषाक्त पदार्थ बाहर निकालने में सहायता मिलती है। वहीं बैलेंस एक्सरसाइज करने से सही तरीके से चलने और उठने-बैठने में आसानी होती है।

1 महीने सुबह अनार का जूस पीने के 10 फायदे, सेहत से लेकर सुंदरता तक के लिए रामबाण उपाय

अनार को पोषक तत्वों का पावर हाउस कहा जाता है। लाल-सुर्ख स्वाद में मीठा अनार कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसमें आयरन, पोटेशियम, फाइबर, विटामिन सी, विटामिन के, विटामिन बी, जिंक और ओमेगा-6 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। रोजाना अगर सुबह एक गिलास अनार का ताजा जूस पिया जाए तो सेहत में कई तरह के चमत्कारिक बदलाव नजर आ सकते हैं। आइए जानते हैं इसके बारे में।

त्वचा पर लाए चमक

अनार विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। इसका सेवन करने से कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। इससे त्वचा पर प्राकृतिक चमक आती है।

वेटलॉस में करे मदद

सुबह खाली पेट एक अनार का जूस पीने से वजन को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि अनार कम कैलोरी वाला फल होता है।

स्ट्रेस करे कम

आज के समय में हर कोई किसी न किसी वजह से तनाव में रहता है। ऐसे में अनार के जूस का सेवन करने से मानसिक तनाव कम होता है।

खून की कमी करे दूर

महिलाओं में अक्सर खून की कमी देखी जाती है। ऐसे में उन्हें रोजाना अनार का जूस पीना चाहिए। यह आयरन का अच्छा सोर्स माना जाता है, जो खून की कमी को दूर करने में मदद कर सकता है।

इम्यूनिटी को करे बूस्ट

अनार के जूस में विटामिन सी, ई और के जैसे पोषक तत्व होते हैं। इसके साथ ही अनार का जूस प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसे पीने से आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है।

सूजन घटाने में करे मदद

कई लोग शरीर के अलग-अलग हिस्से पर कई वजहों से सूजन आने से परेशान रहते हैं। ऐसे में अनार का जूस सूजन से लड़ने में मदद करता है।

याददाश्त बनाए बेहतर

इसे नियमित रूप से पीने से मस्तिष्क को ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाकर याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ सकती है।

दिल को रखे स्वस्थ्य

अनार का जूस रोजाना पीने से रक्तचाप कम होता है। कोलेस्ट्रॉल का स्तर बेहतर रहता है। इसके सेवन से आपका दिल स्वस्थ रहता है।

पाचन में करे मदद

अनार का रस पाचन को उत्तेजित करता है। इसके साथ ही आंत को आराम देता है। खासकर सुबह के समय इसे पीने से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं।

नेचुरल एनर्जी करे बूस्ट

रोजाना अनार का जूस पीने से नेचुरल एनर्जी बूस्ट होती है। इसमें प्राकृतिक शर्करा और पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान पर एक और हो सकता है बड़ा हमला, अमेरिका में हो रही बड़े पैमाने पर तैयारी!

नई दिल्ली।

आतंकियों के खिलाफ भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर से तड़प रहे पाकिस्तान का दर्द कम होता इससे पहले एक और हमले की तैयारी शुरु हो गई है। ये तैयारी भारत में नहीं बल्कि अमेरिका में हो रही है। ये सही में ऐसा हुआ तो मानकर चलिए कि पाकिस्तान के हालात अनियंत्रित हो जाएंगे और वहां की कोई भी हुकूमत के सामने कोई विकल्प नहीं बचेगा। दरअसल इस अटैक की तैयारी भारतीय सेना नहीं बल्कि अमेरिका में बैठी दुनिया की एक सबसे ताकतवर संस्था आईएमएफ कर रही है।रिपोर्ट के मुताबिक आईएमएफ की शुक्रवार को एक अहम बैठक होने वाली है। इसमें पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर के लोन पर विचार किया जाएगा। आईएमएफ ने पाकिस्तान को यह लोन रेसिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी के तहत मंजूर किया था। पाकिस्तान को दिया जाने वाला यह पांचवां लोन होगा। इससे पहले मार्च महीने में आईएमएफ की तरफ से पाकिस्तान को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 1.3 अरब डॉलर और सात अरब डॉलर का लोन मंजूर हुआ था। इस सात अरब डॉलर के लोन में उसे हर माह एक अरब डॉलर की राशि दी जाती है। लेकिन, पिछले माह भारत के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसमें पाकिस्तानी आतंकवादियों के हाथ होने के सबूत सामने आने के बाद इस लोन पर रोक लगाने की मांग उठने लगी है।एक अमेरिकी पब्लिक पॉलिसी थिंक टैंक द अमेरिकन इंटरप्राइजेज इंस्टीट्यूट के सीनियर फेलो माइकल रुबिन ने एक लेख में लिखा है कि पहलगाम की घटना के बाद अमेरिका, अंतरराष्ट्रीय समुदाय और आईएमएफ को पाकिस्तान के लिए और फंडिंग रोक देनी चाहिए। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के मुताबिक पाकिस्तान दुनिया के सबसे भ्रष्ट देशों में से एक है। 2018 से इसकी रैंकिंग लगातार गिर रही है। रुबिन ने अपने लेख में पाकिस्तान की तुलना एक शराबी से की है। उन्होंने लिखा है कि अगर कोई शराबी दान के पैसे से शराब खरीदता है तो उसको आर्थिक सहायता बढ़ाना नहीं बल्कि रोक देना चाहिए। उन्होंने लिखा है कि पाकिस्तानी अधिकारी अंतरराष्ट्रीय मदद को अपना अधिकार समझते हैं। वे इन पैसों में भ्रष्टाचार करते हैं। रुबिन लिखते हैं कि पाकिस्तान आतंकवादी ढांचे पर अरबों डॉलर की राशि खर्च करता है। 2008 में पाकिस्तानी आतंकवादियों में मुंबई में कई जगहों पर हमला किया था। लेकिन, पाकिस्तान ने इस हमले के दोषियों के खिलाफ कोई

कार्रवाई नहीं की। आज भी वह इन आतंकवादियों को संरक्षण दे रहा है। उसने अलकायदा जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठन के प्रमुख ओसामा बिन लादेन को छिपा रखा था। उसे पाकिस्तान के एटबाबाद में अमेरिका में मार गिराया था। उन्होंने इस लेख में लिखा है कि पाकिस्तान आतंकवाद को लंबे समय से पालने का काम करता रहा है।

पाक का झूठ फिर उजागर, आतंकियों की कब्र पर सेना के साथ दिखा लश्कर का कमांडर

नई दिल्ली।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया, उसने पाकिस्तान के उन दावों की पोल खोल दी कि वह आतंकवाद को पनाह नहीं देता है। फिर साबित हो गया है कि पाकिस्तान आतंक का पनाहगाह है और उसकी फौज खुद आतंकियों की ढाल बनी है। भारत की हालिया एयर स्ट्राइक में पाकिस्तान और पीओके में कुल 9 ठिकानों को तबाह कर दिया था, जिसमें 90 से ज्यादा आतंकी मारे गए। पाकिस्तानी चैनलों के दिखाए जा रहे फुटेज में आतंकियों की कब्र पर लश्कर के टॉप कमांडर को फातिहा पढ़ते दिखाया गया है। उसके पीछे पाकिस्तानी सेना हाथ बांधे खड़ी है। भारत की एयर स्ट्राइक में 90 से ज्यादा आतंकी मारे जाने की खबर है। हालांकि पाकिस्तान ने अभी तक भारत के इन दावों को स्वीकार नहीं किया। उसका कहना है कि भारतीय हमले में 31 आम नागरिक मारे गए हैं। सबसे बड़ा झटका जैश सरगना मसूद अजहर को लगा, जिसने खुद कबूला कि हमलों में उसके 10 परिवारजनों और चार प्रमुख साथियों की मौत हुई है। सबसे चौंकाने वाला दृश्य तब सामने आया जब मुरिदके में मारे गए आतंकियों के लिए रखे गए शोक कार्यक्रम में लश्कर का टॉप कमांडर हाफिज अब्दुल रऊफ पाकिस्तानी फौजियों के साथ बैठा नजर आया। अमेरिका ने 2010 में रऊफ को स्पेशली डेजिग्नेटेड ग्लोबल टेररिस्ट घोषित किया था। वह पाकिस्तान में खुलेआम घूमता है, सार्वजनिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेता है और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी संस्थाओं का प्रतिनिधित्व करता है। रऊफ 2008 में लश्कर सरगना हाफिज सईद के निर्देश पर संगठन की गतिविधियों की निगरानी के लिए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व भी कर चुका है। 2003 में उसे लश्कर का डायरेक्टर ऑफ पब्लिक सर्विस भी नियुक्त किया गया था और वह आतंकी संगठन का प्रवक्ता भी रहा है।

ईडी ने झारखंड और बंगाल में नौ ठिकानों पर मारे छापे

फर्जी जीएसटी से 800 करोड़ के इनपुट टैक्स क्रेडिट लाभ लेने का मामला

रांची।

करीब 800 करोड़ के जीएसटी घोटाले में ईडी ने गुरुवार सुबह झारखंड और बंगाल में नौ ठिकानों पर छापे मारे। झारखंड में रांची के तीन और जमशेदपुर में एक स्थान पर दबिश दी जिन ठिकानों पर ईडी ने छापेमारी की है, वहां सुरक्षा के मद्देनजर सीआरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों राज्यों के कारोबारियों ने कुल 14,325 करोड़ रुपए के फर्जी जीएसटी इनवॉइस बनाकर 800 करोड़ रुपए से ज्यादा के इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लिया था, जिन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है, उनमें शिवकुमार देवरा, सुमित गुप्ता, अमित गुप्ता अन्य भी शामिल हैं। ईडी ने बंगाल में इस घोटाले में पहले भी छापेमारी की थी, जबकि झारखंड में इसे लेकर पहली बार कार्रवाई की जा रही है।

आरोप है कि कारोबारियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर व्यापारिक प्रतिष्ठान बनाए और इनपुट टैक्स क्रेडिट का अनुचित लाभ लिया। बाद में इन फर्जी प्रतिष्ठानों को बंद कर दिया। बता दें इस साल जनवरी में जीएसटी निदेशालय की अन्वेषण टीम ने 100 करोड़ से ज्यादा के जीएसटी घोटाले में रामगढ़ के सारूबडेड़ा और धनबाद के झरिया में छापेमारी की थी। इसी तरह जमशेदपुर और आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में भी आठ ठिकानों पर जीएसटी की टीम ने छापेमारी कर 150 करोड़ रुपए के फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया था। फर्जी जीएसटी इनवॉइस जारी कर घोटाले के इस मामले में जमशेदपुर के जुगसलाई स्थित खाटू श्याम स्टील, जैसुका आयरन एंड पावर, बाबा श्याम स्टील, श्री स्टील, विवान इंटरप्राइजेज, एनएच-33 स्थित रिवाह रिसॉर्ट और आदित्यपुर स्थित मातेश्वरी इंजीनियरिंग सहित कई अन्य कंपनियां ईडी जांच के रडार पर हैं। फिलहाल इस मामले में जांच एजेंसी की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

सोफिया कुरैशी के पिता ने दो टूक कहा, पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए

नई दिल्ली।

भारतीय सशस्त्र बलों की दो वरिष्ठ महिला अधिकारियों विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। भारतीय सेना के सिग्नल कोर की सम्मानित अधिकारी कर्नल कुरैशी को बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में सेना की टुकड़ी की कमान संभालने वाली पहली महिला अधिकारी होने का गौरव मिला है। बता दें कि कर्नल कुरैशी अपने परिवार की चौथी पीढ़ी हैं, जो देश की रक्षा में आगे आई हैं। कर्नल कुरैशी के पिता ने बांग्लादेश का युद्ध लड़ा था। पूरे परिवार को कर्नल सोफिया कुरैशी पर गर्व हैं। उनके पिता ताज मोहम्मद कुरैशी ने बताया कि हमें अपनी बेटी बहुत गर्व है। हमारी बेटी ने हमारे देश के लिए बहुत बड़ा काम किया है। ताज मोहम्मद ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान को नष्ट कर देना चाहिए। मेरे दादा, मेरे पिता और मैं सभी सेना में थे।

अब वह भी सेना में है। उन्होंने कहा कि हम पहले भारतीय हैं और फिर हिन्दू या मुसलमान। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस दुनिया के अंदर रहने लायक देश नहीं है। सोफिया की मां हलीमा कुरैशी ने कहा कि हमारी सेना ने अपनी बहनों और माताओं के सिंदूर का बदला ले लिया है। सोफिया अपने पिता और दादा के नक्शेकदम पर चलना चाहती थी, जो सेना में थे।

वह बचपन में कहा करती थी कि जब वह बड़ी होगी, तब सेना में शामिल होगी। उनके भाई मोहम्मद संजय कुरैशी कहते हैं, वह मेरी आदर्श हैं... हम लंबे समय से बदला लेने का इंतजार कर रहे थे। लेकिन हमने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा बदला लिया जाएगा या प्रेस कॉन्फ्रेंस का संचालन परिवार का कोई सदस्य करेगा। हमें सुखद आश्चर्य हुआ कि हमारे परिवार को इतना बड़ा अवसर मिला।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव, अचानक दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री

विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की

नई दिल्ली।

सऊदी अरब के विदेश राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर पूर्व घोषित यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे और भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में गुरुवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। सऊदी अरब के जलवायु दूत भारतीय मंत्री के बीच बैठक के बारे में एकमात्र जानकारी जयशंकर ने पोस्ट के माध्यम से दी। उन्होंने कहा कि गुरुवार सुबह सऊदी अरब के विदेश मामलों के राज्य मंत्री आदिल अल-जुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। जयशंकर ने भारत द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ स्थानों पर आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हमलों का जिक्र करते हुए कहा, ''हमने आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया। सऊदी मंत्री की जयशंकर के साथ बैठक ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के नई दिल्ली आने के कुछ घंटों बाद हुई, जो जयशंकर

के साथ द्विपक्षीय संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए पहले से तय यात्रा पर थे।

अराघची ने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके नई दिल्ली में हलचल मचा दी थी। परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच व्यापक संघर्ष को टालने के प्रयास में मध्यस्थ के रूप में खुद को स्थापित करने के ईरान के प्रयास के बीच, दशकों की शत्रुता से प्रेरित संघर्ष को सुलझाने के लिए किसी तीसरे देश की निष्पक्षता, लाभ और क्षमता के बारे में पाकिस्तान में अटकलें लगाई जा रही थीं।

पाकिस्तान ने भारत की ओर दागी मिसाइल, एंटी मिसाइल सिस्टम ने ब्लास्ट से पहले ही ध्वस्त की

अमृतसर से सटे तीन गांवों में तीन मिसाइलें गिरी मिली

अमृतसर।

ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाया पाकिस्तान अब जम्मू कश्मीर के बार्डर इलाकों में लोगों को निशाना बनाने के बाद पंजाब में भी ऐसी ही नापाक हरकत हुई है। अमृतसर से सटे तीन गांवों में तीन मिसाइलें गिरी मिली हैं। ये मिसाइलें ब्लास्ट से पहले ही ध्वस्त हुई थी।

बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात 1 बजे अमृतसर में धमाकों की कई आवाजें सुनाई दी थीं, इस अमृतसर के एसएसपी ने सोनिक साउंड बताया था और लोगों को न घबराने की अपील की थी। लेकिन अब इन मिसाइलों की बरामदगी से साफ हो रहा हैं कि देर रात हुए धमाकों की आवाज इन्हीं की थी और पाकिस्तान की ओर से आई इन मिसाइलों को भारत के एंटी मिसाइल सिस्टम ने आसमान में ही धवस्त कर दिया।

दरअसल पंजाब बोर्डर पर भी एंटी मिसाइल सिस्टम सक्रिय है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान की तरफ से आई मिसाइल को भारत के एंटी मिसाइल सिस्टम ने मार गिराया है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि नहीं हुई है।

अमृतसर के गांव दुधाला, जेठूवाल और पंधेर में फटी हुई मिसाइलें मिली हैं। अमृतसर ग्रामीण के एसएफपी मनिंदर सिंह ने कहा कि इसकी जानकारी आर्मी को दी गई है। आर्मी की टीम इन्हें कब्जे में लेकर इनकी जांच करेगी। इसके बाद ही इस संबंध में कुछ कहा जा सकता है।

एयर स्ट्राइक के बाद जंग के आसार होने पर बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे गांवों को खाली करने के आदेश जारी किए थे, जिसके बाद गांव के लोग अपने परिवार के बच्चों और महिलाओं को कीमती सामान सहित गांव से निकालकर किसी सुरक्षित स्थान पर चले गए हैं। गांव खाली करने का ये सिलसिला बीती रात भारत के हमले के बाद से ही शुरु हो गया था। कई गांवों के लोग रात को ही सामान लेकर गांव खाली करके जाने लगे थे और दिन निकलते निकलते सीमा से सटे गांवों के लोग सामान सहित रिश्तेदारों के घर चले गए।

वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन में नासा के प्रतिनिधि रहे अनुपस्थित, कारण पैसे की तंगी तो नहीं

नई दिल्ली।

दिल्ली में आयोजित तीन दिवसीय वैश्विक अंतरिक्ष अन्वेषण सम्मेलन में अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के प्रतिनिधियों की अनुपस्थिति ने सभी का ध्यान खींचा है। नासा के करीब एक दर्जन अंतरिक्ष यात्रियों और वैज्ञानिकों को सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें अपनी भागीदारी रद्द करनी पड़ी। सूत्रों ने बताया कि पैसों की कमी के चलते नासा के प्रतिनिधि भारत नहीं आए। 35 देशों के प्रतिनिधि, चीन, जापान, कनाडा और यूरोप की प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियों के आधा दर्जन अधिकारी, 1700 से अधिक प्रतिनिधि और 10 अंतरिक्ष यात्री ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बने। लेकिन इस भव्य सम्मेलन में दुनिया की सबसे बड़ी स्पेस एजेंसी नासा से कोई नहीं आया। आयोजन समिति के सदस्य ने बताया कि नासा का प्रतिनिधित्व इस बार इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि उन्हें यात्रा और भागीदारी के लिए फंड उपलब्ध नहीं कराए गए। यह सम्मेलन अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में नवीनतम प्रगति और सहयोग पर चर्चा के लिए आयोजित हुआ था। बताया जा रहा है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में वापसी के बाद उनकी सरकार ने वित्त वर्ष 2026 के बजट में बड़े पैमाने पर कटौती की है। इसके चलते नासा के कई मिशन रद्द या स्थगित हुए हैं, जिसमें मंगल ग्रह से सैंपल लेकर आने वाला मिशन भी शामिल है। इन कटौतियों का असर नासा के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भागीदारी पर भी पड़ा है। भारत ने पहली बार जीएलईएक्स की मेजबानी की है और इस वर्ष इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इतिहास की सबसे अधिक भागीदारी देखी जा रही है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यात्री संघ और इसरो द्वारा आयोजित कार्यक्रम भारत के बढ़ते अंतरिक्ष कद को भी दिखाता है। एक आईएएफ सदस्य ने बताया कि नासा इस समय अंदरूनी बदलाव के दौर से गुजर रहा है और प्रमुख विभागों के प्रमुख भी अभी स्थायी रूप से नियुक्त नहीं हुए हैं, जिससे इसकी उपस्थिति और भी मुश्किल हो गई।

भले ही नासा की अनुपस्थिति ने कुछ सवाल खड़े किए हों, लेकिन सम्मेलन में अन्य देशों की सक्रिय भागीदारी और रिकॉर्ड संख्या में प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने एक ऐतिहासिक मौका बना दिया है। सम्मेलन में अंतरिक्ष अन्वेषण के

भविष्य, चंद्र और मंगल मिशनों, और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में अंतरिक्ष टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इसके अलावा, निजी अंतरिक्ष कंपनियों, जैसे कि स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन, के प्रतिनिधियों ने भी अपनी योजनाओं को प्रस्तुत किया।

भारत के यूएवी ड्रोन को मार गिराने के पाकिस्तान के दावे की सच्चाई आई सामने

अमृतसर।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को जिस सफलता के साथ पूरा किया है, पाकिस्तानी सरकार और उनकी मुनीर की सेना घबरा गई है। बौखलाहट इसलिए, क्योंकि भारतीय सेना के हवाई हमलों का वह कोई जवाब नहीं दे सका और आतंकियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान का मुखौटा अब दुनिया के सामने उतर चुका है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान समर्थक जोर शोर से दावा कर रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना ने भारत का एक यूएवी ड्रोन गुजरांवाला में मार गिराया है। इस दावे को एक तस्वीर के साथ पेश किया गया है, इसमें एक टूटे हुए ड्रोन के हिस्से दिखाई दे रहे हैं। यूएवी ड्रोन मानवरहित हवाई यान होता है। यह एक ऐसा हवाई उपकरण होता है, इस बिना पायलट के उड़ाया जाता है, यानी रिमोट कंट्रोल से या पहले से तय प्रोग्राम के अनुसार ऑटोमेटिक रूप से उड़ाया जाता है। पाकिस्तान की ओर से किए जा रहे

दावे की जब पड़ताल हुई तब सच्चाई कुछ और ही निकली। वायरल तस्वीर दरअसल रूस-यूक्रेन युद्ध (2022) की है और उसका भारत या पाकिस्तान से कोई लेना-देना नहीं है। यानी यह दावा पूरी तरह भ्रामक और फर्जी प्रचार का हिस्सा है, जिसका मकसद सोशल मीडिया पर सनसनी फैलाना है।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिशोध का कोई अंत नहीं, पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती का पोस्ट

जम्मू।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने कहा कि जब प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता है, तब बेजुबान और असहाय लोगों को असहनीय कीमत चुकानी पड़ती है। महबूबा की यह टिप्पणी नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के बाद आई है। महबूबा ने पोस्ट में कहा, ''पहलगाम में हुए भयावह हमले के बाद, मुझे लगा कि मैंने त्रासदी की गहराई देख ली है। लेकिन आज जब मैंने भारत-पाकिस्तान तनाव की गोलीबारी में मारे गए मासूम बच्चों की भयावह तस्वीरें देखीं, तब मुझे एहसास हुआ कि अभी और भी बुरा समय आने वाला है।'' उन्होंने लिखा, ''जब प्रतिशोध का कोई अंत नहीं होता, तब बेजुबान और असहाय लोग असहनीय कीमत चुकाते हैं, उनका छीन लिया गया भविष्य, एक ऐसा घाव है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता।''

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 को लेकर पीएम मोदी से मिले एनएसए डोभाल

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच मोदी सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी भी पहुंचे। बैठक शुरू होने से ठीक पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। बताया जा रहा हैं कि मोदी सरकार आतंकवाद पर बड़ा हमला करने वाली है। सूत्रों के हवाले से बताया गया हैं कि मोदी सरकार और सेना फिर से एयरस्ट्राइक करने की तैयारी कर रही हैं। दरअसल एयरस्ट्राइक में आतंकियों के 9 ठिकानों को निशाना बनाया गया था। वहीं अन्य ठिकानों पर भी भारतीय सेना हमला कर सकती है। कश्मीर में आतंकियों के पैर उखाड़ने के लिए पाकिस्तान की ओर सीमा के आसपास आतंकियों को ठिकानों को तबाह करना जरूरी है।

गुजरात पुलिस ने 300 घुसपैठियों को बांग्लादेश डिपोर्ट किया

अहमदाबाद। गुजरात पुलिस ने हाल ही राज्य के विभिन्न शहरों से पकड़े गए 300 जितने घुसपैठियों को विशेष विमान के जरिए बांग्लादेश रवाना कर दिया। विशेष विमान से घुसपैठियों को अगरतला ले जाया गया और वहां से वाहनों के जरिए बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया।गुजरात पुलिस के इतिहास में यह पहला अमेरिकी शैली का निर्वासन अभियान है। यह मिशन अवैध होने की पुष्टि होने के बाद एक से अधिक चरणों में चलाया गया। बांग्लादेशियों को अगरतला में विमान से उतरने के बाद वाहनों में छोड़ दिया गया है। पहलगाम हमले के दो सप्ताह बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने के लिए हवाई हमले किए हैं। उस समय गुजरात में अवैध रूप से घुस आए बांग्लादेशियों को वापस भेजने के लिए एक गुप्त अभियान चलाया गया था। गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद और सूरत सहित राज्य के कई जिलों में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया था। अहमदाबाद से 800 और सूरत से 134 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए सभी लोगों के दस्तावेजों की जांच की गई और उनके पास मिले दस्तावेजों के आधार पर यह जांच की गई कि क्या वे अवैध रूप से रह रहे थे। इसके अलावा, जांच में पता चला कि सूरत में 134 में से 90 लोग अवैध थे। यह भी पता चला कि अहमदाबाद में 200 से अधिक बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे थे। इसके बाद बांग्लादेशियों को निर्वासित करने की प्रक्रिया को अंजाम दिया गया।

ईमेल से मिली एसएमएस स्टेडियम को उड़ाने की धमकी, जांच के बाद स्टेडियम सील

जयपुर। जयपुर के एसएमएस स्टेडियम को गुरुवार को बम से उड़ानें की धमकी मिली है। खेल परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि गुरुवार सुबह 9:13 पर ईमेल मिला। कर्मचारियों ने ईमेल को ओपन करके देखा तो उसमें स्टेडियम को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी। मेल में लिखा था- ऑपरेशन सिंदूर के सफल होने के बाद अब एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाया जाएगा। मेल मिलने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। कंट्रोल रूम ने सभी अधिकारियों को बम का मेल मिलने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस, क्यूआरटी, बम निरोधक दस्ता समेत कई टीमें स्टेडियम पहुंची। स्टेडियम को खाली कराया गया। स्टेडियम के बाहर का इलाके और बिल्डिंग में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। बम की सूचना मिलने के बाद एडिशनल पुलिस कमिश्नर, डीसीपी साउथ समेत कई पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे गए थे। पुलिस मेल भेजने वाले की पहचान करने की कोशिश में जुट गई है। साइबर टीम को भी अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से स्टेडियम को पूरी तरह सील कर दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

पूजा करने पर कट्टरपंथियों ने 200 साल पुराना बरगद का पेड़ काटा, हिंदू आबादी मायूस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता छोड़ने के बाद से सरकार में कट्टरपंथियों ने न सिर्फ अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और नफरत को हवा दी बल्कि हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि देश में हिंदुओं की आस्था के प्रतीक एक 200 वर्ष पुराने बरगद के पेड़ तक को काट डाला गया। मदारीपुर जिले के शिराखारा यूनियन के आलम मीर कंडी गांव में कट्टरपंथियों ने बरगद के पेड़ के खिलाफ बाकायदा फतवा जारी किया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी जारी किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 200 साल पुराने धार्मिक मान्यताओं वाले बरगद के पेड़ की स्थानीय हिंदू समुदाय पूजा करता था। यह पेड़ आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ देश के लिए 200 वर्ष पुरानी एक प्राकृतिक विरासत भी था, जहां लोग दूर-दराज से मन्नत मांगते थे। कुछ कट्टरपंथी मौलवियों ने इसे 'शिर्क' यानी इस्लाम में अल्लाह के साथ किसी और को जोड़ने की हराम हरकत करार देते हुए फतवा जारी कर दिया। इसी के साथ पेड़ को आरी लेकर काटा गया। पेड़ पर आरी चलाते हुए बांग्लादेशियों का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बताया गया कि हिंदू समुदाय बरगत के इस पेड़ के नीचे दीपक जलाकर पूजा-पाठ करते थे। हिंदू आबादी मायूस बरगद के पेड़ के काटने के बाद स्थानीय हिंदू आबादी काफी मायूस और डरी हुई है, क्योंकि बांग्लादेश में अब मुस्लिम चरमपंथी हर तरफ हावी हैं। हिंदुओं की आस्था, प्रतीक और उनके घरों पर हमले हो रहे हैं। ब्रिटेन में इलाज के बाद स्वदेश लौटीं बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया लंदन में चार महीने तक इलाज कराने के बाद मंगलवार को स्वदेश लौट आई हैं। वह 8 जनवरी को बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए लंदन गई थीं। घर वापसी के बाद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष व तीन बार पीएम रह चुकी 79 वर्षीय जिया की पार्टी ने कहा, अब देश में लोकतंत्र की बहाली में मदद मिलेगी। खालिदा लंबे समय से लिवर सिरोसिस, किडनी रोग, हृदय रोग, मधुमेह और गठिया से पीड़ित हैं। महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, जिया के देश में आने से आगामी चुनावों में रणनीति व लोकतंत्र बहाली के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकेंगे।

ईरान में धूल भरी आंधी का कहर, 7 राज्यों के 13 मिलियन लोग घरों में दुबके

तेहरान, एजेंसी। ईरानी अधिकारियों ने पड़ोसी देश इराक से आए धूल भरे तूफान के कारण मंगलवार को 7 पश्चिमी प्रांतों में स्कूलों और कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया है. इस आंधी-तूफान से बचाव के लिए 13 मिलियन लोगों को घरों के अंदर रहने को कहा गया है. भीषण धूल भरी आंधी से खुज़स्तान, केरमानशाह, इलम और कुर्दिस्तान आदि प्रांत प्रभावित हुए हैं. इसकी वजह से राज्य टेलीविजन ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से कहा कि अत्यधिक मात्रा में धूल जमा होने के कारण टेलीविजन सेवा कुछ समय के लिए बंद कर दी गई है. धूल भरे तूफान से केरमानशाह और इलम सहित कई प्रांतों में कार्यालय बंद कर दिए गए हैं. दक्षिण-पश्चिम में खुज़स्तान में सरकारी और निजी कार्यालय भी बंद कर दिए गए हैं. पूर्वोत्तर में जनजान और दक्षिण में बुशहर राज्य भी प्रभावित हुए हैं. तेहरान से 1,100 किलोमीटर दक्षिण में स्थित बुशहर में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 108 मापा गया, जिसे संवेदनशील समूहों के लिए ख़राब माना गया है. इस तरह से देखा जाए तो यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा स्वीकार्य वायु सूक्ष्म कणों की सांद्रता से 4 गुना अधिक है. ईरान के मौसम विज्ञान अधिकारियों ने कहा कि ये परिस्थितियां इराक से पश्चिमी ईरान की ओर धूल के एक बड़े समूह के बढ़ने के कारण उत्पन्न हुईं. राज्य टेलिविजन सेवा के अनुसार कई राज्यों में लो विजिबिलिटी है. धूल भरी आंधियां चल रही हैं. लोगों को बाहर निकलते समय मास्क लगाने को कहा गया है. इसके अलावा लोगों को घरों में रहने की सलाह दी गई है. गौर करें तो बीते महीने इस तरह के तूफान की वजह से फ्लाइटों को उड़ान भरने से रोक दिया गया था।

हमले के बाद रूस के 4 एयरपोर्ट पर उड़ानें रोकीं

मास्को, एजेंसी। रूस की सेना ने देश के लगभग 12 क्षेत्रों को निशाना बनाकर दागे गए यूक्रेन के 100 से अधिक ड्रोन नष्ट कर दिए। इसके चलते मॉस्को के आसपास के सभी चार हवाईअड्डों पर उड़ानें रोक दी गईं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा, यूक्रेनी सीमा से लगे व रूस के अंदरूनी क्षेत्रों में ड्रोन हमलों के कारण नौ अन्य क्षेत्रीय रूसी हवाई अड्डों ने भी अस्थायी रूप से काम करना बंद कर दिया है।

नेपाल : 12 महिलाओं समेत 75 भारतीयों को माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की मिली मंजूरी

काठमांडू, एजेंसी। भारत के 75 पर्वतारोहियों को इस साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने की मंजूरी मिली है, इसमें 12 महिलाएं हैं। नेपाल के पर्यटन विभाग ने बताया, इस सीजन माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए 55 देशों के कुल 441 पर्वतारोहियों को मंजूरी दी गई है।

एयर स्ट्राइक के खिलाफ पाकिस्तान के सपोर्ट में चीन-तुर्किये: इजराइल ने दिया भारत का साथ

बीजिंग, एजेंसी। भारत ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान में एयर स्ट्राइक कर 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया है। ये हमले ऑपरेशन सिंदूर के तहत बहावलपुर, मुरीदके, बाघ, कोटली और मुजफ्फराबाद में किए गए। पाकिस्तान ने इस हमले में 26 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। अमेरिका, इजराइल, तुर्किये और यूएई ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है। जहां तुर्किये पाकिस्तान के सपोर्ट में उतरा है, वहीं इजराइल ने भारत के लिए समर्थन जताया है।

पाकिस्तान को चीन-तुर्किये का साथ मिला : चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 7 मई को पाकिस्तान पर भारत की एयर स्ट्राइक पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भारत की सैन्य कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है। हम मौजूदा हालात को लेकर चिंतित हैं। प्रवक्ता ने कहा कि चीन आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध करता है। हम दोनों पक्षों से अपील करते हैं कि वे शांति और स्थिरता को प्राथमिकता दें। संयम बरतें और ऐसे कदम न उठाएं जो हालात को और जटिल बना दें। वहीं, तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भी पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मुहम्मद इशाक डार को फोन कर एकजुटता जाहिर की।

इजराइल बोला- भारत को आत्मरक्षा का अधिकार : भारत में इजराइल के राजदूत रूवेन अजार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत का समर्थन किया है। उन्होंने कहा- इजराइल, भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का पूरी तरह समर्थन करता है। आतंकियों को यह जान लेना चाहिए कि मासूमों के खिलाफ उनके घिनौने अपराधों से उन्हें छिपने की कोई जगह नहीं मिलेगी।

यूएई की अपील- दोनों देशों से संयम बरते : यूएई ने भारत और पाकिस्तान से कहा कि ऐसे हालात पैदा न करें जो क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा बने। यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान ने भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने और तनाव कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि डिप्लोमेसी और बातचीत के जरिए ही विवाद को शांतिपूर्ण ढंग से हल करना सबसे बेहतर रास्ता है। अमेरिका ने कहा- यह शर्मनाक है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, यह शर्मनाक है। मुझे लगता है कि लोगों को पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। अगर आप इसके

बारे में सोचें तो वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह जल्द ही खत्म हो जाएगा।

पाक जनरल बोले- दोनों देशों के फाइटर जेट ने सीमा का उल्लंघन नहीं किया : पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग के डीजी जनरल अहमद चौधरी के मुताबिक दोनों देशों के फाइटर जेट एक-दूसरे के एयर स्पेस का उल्लंघन नहीं किया है। चौधरी ने भारतीय हमले का जवाब देने और चेक पोस्टों को नष्ट करने का दावा किया। पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने जब हमला किया तब पाकिस्तान के हवाई इलाके में 57 इंटरनेशनल फ्लाइट्स और कई घरेलू उड़ानें थीं। भारत ने हजारों लोगों की जिंदगी खतरे में डाल दी। उन्होंने कहा कि भारत के हमले के बाद भी पाकिस्तान वायु सेना के सभी विमान और संपत्ति सुरक्षित हैं। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान ने भारतीय आक्रामकता का जवाब दिया है और भारत के 5 लड़ाकू विमानों और ड्रोन को मार गिराया है।

सीएनएन का दावा- कश्मीर में गिरे प्लेन पर फ्रांसीसी कंपनी का मुहर : सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत का एक प्लेन कश्मीर (भारत) में गिरा है। इस प्लेन के कुछ हिस्से में फ्रांसीसी मैन्युफैक्चर का लेबल लगा है। इससे पाकिस्तान के इस दावे को बल मिलता है कि उसने भारत के तीन टॉप राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। रिपोर्ट के मुताबिक एयरक्राफ्ट पर नजर आ रहा लेबल फ्रेंच फिल्टरेशन कंपनी ले बोजेक एट गौटियर से जुड़ा हुआ है। ले बोजेक मिनेसोटा की डोनाल्डसन कंपनी की एक फ्रेंच बेस्ड सब्सिडरी कंपनी है। ले बोजेक प्लेन में एयर, फ्यूल, हाइड्रोलिक लिक्विड और एयर प्रेशर के दबाव को कंट्रोल करने के लिए फिल्टरेशन इक्विपमेंट डिजाइन करती है, बनाती और बेचती है। हालांकि सीएनएन यह पूरा नहीं कर पाया है कि तस्वीरों में दिखाया गया हिस्सा राफेल जेट का है या नहीं। राफेल फाइटर जेट फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन ने बनाया है। सीएनएन डसॉल्ट और ली बोजेक के बीच संबंध भी नहीं जोड़ पाया है।

पाकिस्तान के अंदर भारतीय हमलों पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी पहली टिप्पणी की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहलगाम हमले को शर्मनाक बताते हुए कहा कि हमने ओवल के दरवाजे से अंदर जाते ही इसके बारे में सुना। मुझे लगता है कि लोगों को अतीत के कुछ अंशों के आधार पर पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। अगर आप इसके बारे में सोचें तो वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह बहुत जल्दी खत्म हो जाएगा। एंटोनियो गुटेरेस ने दोनों देशों से किया सैन्य संयम बरतने का आह्वान भारत की कार्रवाई के बाद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भारत और पाकिस्तान से सैन्य संयम बरतने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव बर्दाश्त नहीं कर सकती।महासचिव गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि महासचिव नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय सैन्य अभियानों को लेकर बहुत चिंतित हैं। वह दोनों देशों से अधिकतम सैन्य संयम बरतने का आह्वान करते हैं। दुनिया भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव बर्दाश्त नहीं कर सकती। अमेरिकी कांग्रेसी श्री थानेदार ने कहा- युद्ध समाधान नहीं वहीं अमेरिकी कांग्रेसी श्री थानेदार ने कहा भारत की कार्रवाई को लेकर कहा कि युद्ध कभी समाधान नहीं होता, लेकिन जब इस तरह की आतंकवादी घटनाएं होती हैं, तो यह महत्वपूर्ण है कि आतंकवादियों को ढूंढा जाए, उन्हें दंडित किया जाए। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि आतंकवाद का समर्थन करने वाला कोई भी देश देखे कि ऐसी कार्रवाइयों के परिणाम होंगे।

ट्रंप के विरोधी सांसद भी पहलगाम पर आए साथ, कहा- अमेरिकी प्रशासन खुलकर भारत का करे सहयोग

ह्यूस्टन, एजेंसी। सांसद थानेदार ने अमेरिकी प्रशासन पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम मे हुए आतंकी हमले पर सुस्त प्रतिक्रिया दिखाने का आरोप लगाया. हमले में 26 लोगों की मौत हो गयी थी. डेमोक्रेट सांसद थानेदार ने 'हिंदूएक्शन' द्वारा 'ग्लोबल कश्मीरी पंडित डायस्पोरा' (जीकेपीडी) और 'कश्मीर ओवरसीज एसोसिएशन यूएसए' (केओए-यूएसए) के साथ मिलकर आयोजित एक शोक सभा में कहा, बयानबाजी पर्याप्त नहीं है, कार्रवाई की जरूरत है. वाशिंगटन डीसी में सोमवार को 'रेबर्न हाउस ऑफिस बिल्डिंग' में 'पाकिस्तान प्रॉक्सी वॉर अगेंस्ट हिंदू ग्लोबन इंप्लीकेशन' नाम के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. थानेदार ने हिंदू अमेरिकियों से राजनीतिक रूप से एकजुट होने का आग्रह किया और वाशिंगटन से भारत को अन्य प्रमुख सहयोगियों, विशेष रूप से इजराइल के समान ही रणनीतिक महत्व देने का आह्वान किया. 'हिंदूएक्शन' के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती के अनुसार, पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में मारे गये लोगों के नाम पढ़े गए उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को फोन पर यह जानकारी दी और एक प्रेस विज्ञप्ति साझा की. रक्षा विभाग की सलाहकार क्रिस्टल कौल भी कार्यक्रम में शामिल हुईं. जीकेपीडी के सह-संस्थापक सुरिंदर कौल ने कहा, कश्मीर में जो हुआ वह वैश्विक आतंकवाद की एक बड़ी चुनौती का हिस्सा है।

जंग हुई तो हम भारत का साथ देंगे... पाकिस्तान के मस्जिद से बड़ा ऐलान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में हालात तेजी से बदल रहे हैं. भारत के साथ संभावित युद्ध की आशंकाओं के बीच, देश की मस्जिदों से उठ रहे ऐलान ने पाकिस्तानी सेना की नींव हिला दी है. खैबर पख्तूनख्वा (केपीके), जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का गढ़ माना जाता है, वहां की मस्जिदों से भारतीय सेना का साथ देने की घोषणाएं हो रही हैं. एक चौंकाने वाले वीडियो में, एक प्रभावशाली मौलाना को मस्जिद के अंदर से यह कहते हुए सुना जा सकता है: मैं कुरान की कसम खाकर कहता हूं कि अगर भारत हमला करता है, तो हम भारतीय सेना का साथ देंगे. मौलाना के हाथ में कुरान है. यह वीडियो केपीके का है, जहां पाकिस्तानी सेना ने स्थानीय आबादी के खिलाफ क्रूर सैन्य अभियान चलाए हैं और बलूचिस्तान की तरह ही सैकड़ों लोगों को गायब कर दिया है. नतीजतन, पाकिस्तान के भीतर से उठ रही आवाजें स्पष्ट रूप से संकेत दे रही हैं कि जिन्ना का देश न केवल बाहर से, बल्कि अंदर से भी टूट रहा है.

केपीके में एक प्रसिद्ध इस्लामिक उपदेशक खुले तौर पर मस्जिद से ऐलान करता है, अगर भारत पाकिस्तान पर हमला करता है, तो हम पश्तून भारतीय सेना के साथ खड़े होंगे, न कि पाकिस्तानी सेना के साथ. वहीं, इस्लामाबाद की बदनाम लाल मस्जिद में, जब एक मौलवी ने वहां मौजूद सैकड़ों लोगों से पूछा, अगर भारत से जंग होती है, तो कौन पाकिस्तान के साथ खड़ा होगा? तो

पूरी मस्जिद में सन्नाटा छा गया - एक भी हाथ नहीं उठा.

क्या भारत के आक्रमण से पाकिस्तान में विद्रोह होगा? खैबर पख्तूनख्वा में भारतीय सेना का समर्थन करने की घोषणा करने वाला मौलवी एक प्रभावशाली धार्मिक नेता है, और उन्होंने खुले तौर पर बगावत का ऐलान कर दिया है. उन्होंने कहा: खुदा की कसम, जो मैं कहता हूं उसे ध्यान से सुनो. अगर कोई मुझे गिरफ्तार करना चाहता है, तो करे. लेकिन मैं कुरान की कसम खाकर कहता हूं कि जब मैं पहले जेल में था, तो वहां मौजूद कैदी अल्लाह से दुआ कर रहे थे कि भारत हमला कर दे.

वीडियो में मौलवी आगे कहते हैं: हम बहुत जल्द पाकिस्तान को छोड़कर भारतीय सेना के साथ जुड़ जाएंगे. देखो पाकिस्तानी सेना ने हमारा क्या हाल कर दिया है. मैं कुरान की कसम खाकर कहता हूं कि अगर मैं झूठ बोलूं तो खुदा मुझे माफ न करे... तुमने पश्तूनों को बर्बाद किया है, और तुम्हें लगता है कि हम तुम्हारा साथ देंगे? तुम्हें लगता है कि हम तुम्हारे लिए जिंदाबाद करेंगे... तुमने हमारी जमीन छीनी है. कौन सा पश्तून बच्चा है जिसकी आंखों से तुम्हारी वजह से आंसू नहीं गिरते हैं?

मौलाना आगे कहते हैं: हे अल्लाह, जिस तरह से पश्तूनों के बच्चे रो रहे हैं, उसी तरह से पाकिस्तानी फौज के बच्चे रोएं. उनके घरों में भी पश्तूनों के घरों की तरह मातम मने. क्योंकि स्वात और मलाकंड में फौज की वजह से हर परिवार मातम मना रहा है. हर परिवार ने दो से तीन लोगों को खो दिया है, और तुम्हें लगता है कि हम तुम्हारा साथ देंगे?

भारत के साथ रक्षा समझौतों को संशोधित किया जा रहा है: मालदीव

माले, एजेंसी। मालदीव ने मंगलवार को कहा कि भारत के साथ मौजूदा रक्षा समझौतों में संशोधन किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मालदीव की संप्रभुता और स्वतंत्रता प्रभावित नहीं हो. यहां मीडिया की खबरो में यह जानकारी दी गई है. रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून ने संसद के सदस्यों को यह भी बताया कि मालदीव में तैनात 74 भारतीय सैनिक, जिन्हें पिछले साल भारत के साथ हुए समझौते के तहत वापस भेजा गया था, मालदीव में रहने के दौरान निहत्थे थे.

मौमून का यह बयान मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू द्वारा 15 घंटे की मैराथन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यह कहने के कुछ दिनों बाद आया है कि भारत सहित अन्य देशों के साथ पिछली सरकार द्वारा किए गए समझौतों को लेकर चिंता की कोई बात नहीं है. मुइज्जू की टिप्पणियों की विपक्षी नेता ने आलोचना की थी, जिन्होंने भारत जैसे देशों के साथ समझौतों के बारे में 2023 के चुनाव अभियान के दौरान 'झूठे दावे' करने के लिए उनसे माफी की मांग की थी. न्यूजपोर्टल 'एडिशन. एमवी.' की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को संसद सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए मौमून ने कहा कि दोनों देशों के बीच

लंबे समय से चले आ रहे घनिष्ठ संबंधों के तहत भारत के साथ किए गए समझौतों में संशोधन किया गया है या किया जा रहा है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे मालदीव की संप्रभुता और स्वतंत्रता की रक्षा करें. सरकारी समाचार एजेंसी 'पब्लिक सर्विस मीडिया' (पीएसएम न्यूज) ने मंत्री के हवाले से कहा कि 1965 में मालदीव को स्वतंत्रता मिलने के बाद से भारत के साथ 100 से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए और उनमें से चार रक्षा मंत्रालय से संबंधित हैं.

पीएसएम न्यूज ने कहा कि समीक्षाधीन प्रमुख समझौतों में से एक भारत की सहायता से उथुरु थिलाफाल्हू में एक नौसैनिक 'डॉकयार्ड' के विकास से संबंधित है. वर्ष 2023 के चुनाव से पहले विपक्ष में रहने के दौरान मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने उथुरु थिलाफाल्हू समझौते के पहलुओं की आलोचना की थी, जिसमें दावा किया गया था कि कुछ प्रावधानों का राष्ट्रीय नीति के साथ टकराव है. 'एडिशन. एमवी.' के अनुसार, मंत्री ने कहा कि ऐसे खंडों में अब संशोधन किया जा रहा है, लेकिन उन्होंने इससे अधिक कोई विवरण साझा नहीं किया. चीन समर्थक राष्ट्रपति मुइज्जू के नवंबर 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद से मालदीव और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट देखी गई. शपथ लेने के कुछ ही घंटों के भीतर उन्होंने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजे जाने की मांग की थी.

इसके बाद, मार्च और 10 मई के बीच आपसी सहमति से भारतीय सैन्यकर्मियों की जगह आम नागरिकों को नियुक्त किया गया. मालदीव में भारतीय सैन्यकर्मियों से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए रक्षा मंत्री मौमून ने मंगलवार को पुष्टि की कि वर्तमान में देश में कोई भी भारतीय सैनिक तैनात नहीं है. वर्ष 2024 के जून में विदेश मंत्री एस जयशंकर की पहली आधिकारिक यात्रा और अक्टूबर 2024 में मुइज्जू की भारत यात्रा के बाद, दोनों देशों ने संबंधों को फिर से सुधारने की कोशिश की है.

सेना में ट्रांसजेंडरों पर प्रतिबंध लागू कर सकती है ट्रंप सरकार, सुप्रीम कोर्ट ने दी अनुमति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को सेना में ट्रांसजेंडरों पर प्रतिबंध लागू करने की अनुमति दे दी है। हालांकि, कानूनी चुनौतियां जारी रहेंगी। इस नीति के अनुसार, ट्रांसजेंडर लोग सेना में काम नहीं कर सकते और जो पहले से सेना में हैं, उन्हें बाहर निकाला जा सकता है। अदालत ने मंगलवार को इस नीति पर विवाद में कार्रवाई की। कोर्ट के तीन न्यायाधीशों ने कहा था कि इस नीति को रोक देना चाहिए, लेकिन बाकी न्यायाधीशों ने इसे अभी लागू रखने की अनुमति दी। जनवरी में दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने ट्रांसजेंडरों के अधिकारों को सीमित करने के लिए कई कदम उठाए। रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर दावा किया ता कि ट्रांसजेंडर लोगों की पहचान सेना के अनुशासन और ईमानदारी से मेल नहीं खाती और यह सेना की तैयारी को नुकसान पहुंचाती है। इसके बाद, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने एक आदेश जारी किया, जिसमें सैन्य सेवाओं को यह तय करने के लिए 30 दिन का समय दिया गया कि वे ट्रांसजेंडर सैनिकों को सेना से कैसे हटाएंगे। हेगसेथ ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, डीओडी में अब कोई ट्रांस नहीं। न्यायाधीश सेटल ने सात सेवारत ट्रांसजेंडरों के पक्ष में सुनाया था फैसला मंगलवार को न्यायाधीशों ने जिस मामले में कार्यवाही की, उसमें वाशिंगटन के टैकोमा में अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश बेंजामिन सेटल ने सात लंबे समय से सेवारत ट्रांसजेंडर सैन्य सदस्यों के

पक्ष में फैसला सुनाया था। उन्होंने अदालत में कहा कि यह नीति उनके साथ भेदभाव करती है और उनके करियर व प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाएगी। उनमें से एक, एमिली शिलिंग ने भी मुकदमा दायर किया, जो 20 साल से नौसेना में हैं और इराक व अफगानिस्तान में मिशन पूरे कर चुकी हैं। न्यायाधीश सेटल ने इस नीति पर लगाई थी रोक न्यायाधीश सेटल ने सरकार से पूछा कि जब ट्रांसजेंडर लोग पिछले चार सालों से बिना किसी समस्या के सेना में सेवा कर रहे हैं, तो अब अचानक उनके खिलाफ यह नियम क्यों लागू किया जा रहा है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। सेटल ने इस नीति पर राष्ट्रव्यापी रोक लगा दी और संघीय अपील न्यायालय ने प्रशासन की आपातकालीन याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद न्याय विभाग ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। एलजीबीटीक्यूअधिकार समूह ने कोर्ट के फैसले को निराशाजनक बताया हालांकि, अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस नीति को अभी लागू किया जा सकता है।

बांग्लादेश में चुनावी सरगर्मी तेज, पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा के ढाका वापसी से यूनुस सरकार पर बढ़ा प्रेशर

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वदेश लौटते ही चुनाव कराने का दबाव बढ़ गया है. लंदन से इलाज कराकर जिया के ढाका लौटने से देश के अंतरिम नेताओं पर आम चुनाव कराने के लिए प्रेशर बढ़ गया है. गौर करें तो बीते साल अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विद्रोह में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हाथ धोना पड़ा था. उसके बाद से बांग्लादेश में नोबेल शांति पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार चल रही है. वहीं, शेख हसीना की कट्टर प्रतिद्वंद्वी खालिदा जिया और उनकी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी दिसंबर में राष्ट्रीय चुनाव कराने के लिए यूनुस सरकार पर दबाव बना रही है. बीएनपी जल्द से जल्द देश में लोकतांत्रिक शासन की वापसी चाह रही है. गौर करें तो कई लोगों ने हसीना को सत्ता से बेदखल करने का स्वागत लोकतांत्रिक चुनावों की वापसी के एक अवसर के रूप में किया था. मगर हाल के महीनों में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नई सरकार की जल्द चुनाव कराने की प्रतिबद्धता को लेकर संदेह के बादल गहरा गए हैं. इस सरकार ने कहा है कि अगला चुनाव इसी साल दिसंबर में या अगले साल जून 2026 तक होगा. हालांकि ये सब देशभर में चल रहे विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों की सीमा पर निर्भर करेगा. उधर जिया के स्वागत के लिए ढाका के मुख्य हवाई अड्डे के बाहर भीड़ उमड़ पड़ी. अपनी दो बहुओं के साथ जिया कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी द्वारा मुहैया कराए गए एक विशेष एयर एम्बुलेंस से पहुंचीं. कतर के अमीर शेख ने ही जनवरी में खालिदा के लंदन जाने की भी व्यवस्था कराई थी. बता दें कि जिया कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित हैं और उन्होंने कई वर्षों से किसी भी सार्वजनिक समारोह में भाग नहीं लिया है. उनके बड़े बेटे तारिक

रहमान लंदन में निर्वासन में रहते हुए पार्टी के कार्यवाहक प्रमुख के रूप में पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं. इस तरह से देखा जाए तो बांग्लादेश में खालिदा जिया की उपस्थिति उनकी पार्टी के लिए बहुत बड़ा महत्व रखती है, जबकि पूर्व पीएम शेख हसीना भारत में निर्वासन में रह रही हैं. गौर करें तो साल 1991 में तानाशाह राष्ट्रपति एच.एम. इरशाद के सत्ता से बेदखल होने के बाद लोकतंत्र में वापस लौटा था. इसके बाद से खालिदा जिया और शेख हसीना ने बारी-बारी से प्रधानमंत्री के रूप में बांग्लादेश पर शासन कर रही हैं. खालिदा जिया तीन बार बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं. उन्होंने दो बार पूरे 5 साल के कार्यकाल को पूरा किया. तीसरी बार सिर्फ कुछ महीनों के लिए ही सत्ता में रहीं. खालिजा जिया, पूर्व सैन्य प्रमुख से राष्ट्रपति बने जियाउर रहमान की विधवा हैं. जियाउर रहमान की 1981 में हत्या कर दी गई थी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

दुष्कर्म का मामला एक पूरी साजिश था, कांग्रेस नेता पातर और वकील पंडित को गिरफ्तार किया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

राजकोट रूरल क्राइम ब्रांच ने अमित खूंट केस में तथ्यों के साथ सच्चाई उजागर कर दी है, लेकिन मामला यहीं तक सीमित नहीं है। अगर नाबालिग लड़की और पूजा राजगोर द्वारा दिए गए बयान सही साबित होते हैं, तो पुलिस दो अलग-अलग बिंदुओं, अधिनियमों और धाराओं की जांच कर सकती है। इसके आधार पर पुलिस राजकोट के ए डिवीजन थाने में पूरी साजिश रचने के

आरोप में अलग से मुकदमा दर्ज कर सकती है या फिर इस मामले में शामिल गिरोह के खिलाफ षड्यंत्र की धाराओं के तहत कार्रवाई कर सकती है, ऐसा कानूनी विशेषज्ञों का कहना है।

नाबालिग ने अमित खूंट पर राजकोट के ए डिवीजन पुलिस थाने में बलात्कार की शिकायत दर्ज करवाई थी। गिरफ्तारी से पहले ही अमित ने आत्महत्या कर ली थी। जांच में यह सामने आया कि अमित ने एक पूरे गिरोह के मानसिक उत्पीड़न के कारण आत्महत्या जैसा कदम उठाया था। बुधवार को राजकोट रूरल क्राइम ब्रांच ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि अमित खूंट के खिलाफ एक साजिश रची गई थी, जिसे खुद शिकायतकर्ता नाबालिग और उसकी सहेली पूजा राजगोर ने भी स्पष्ट कर दिया है। अब जब पुलिस को इन बातों के पर्याप्त सबूत मिल गए हैं, तो उन्हें ए डिवीजन थाने में पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई करनी होगी।

1) अगर बलात्कार हुआ था: गोंडल पुलिस के समक्ष नाबालिग द्वारा दिए गए बयान (धारा 164 के तहत) में अगर उसने कहा हो कि उसके साथ बलात्कार हुआ है, तो अमित खूंट के खिलाफ एबेटेड समरी दाखिल की जाएगी। वहीं साजिश में शामिल नए नामों के खिलाफ पोक्सो एक्ट, आपराधिक षड्यंत्र और अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम (Immoral Trafficking Act) के तहत मुकदमा दर्ज किया जा सकता है। कानून विशेषज्ञों के अनुसार, किसी नाबालिग से जबरदस्ती कराना या इसके लिए उसे प्रेरित करना भी अपराध है। चूंकि इस मामले में दो प्रसिद्ध वकीलों – दिनेश पातर और संजय पंडित – के नाम सामने आए हैं, इसलिए उनके अलावा जो भी लोग इस षड्यंत्र में सहयोगी रहे होंगे, उन सभी पर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा।

2) अगर बलात्कार नहीं हुआ था: अगर नाबालिग ने अपने बयान में कहा है कि उसके साथ कोई बलात्कार नहीं हुआ था, तो उसके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत निर्दोष को फंसाने का मामला दर्ज हो सकता है। साथ ही, उसे इस झूठे आरोप के लिए उकसाने वालों के खिलाफ भी अलग से केस दर्ज हो सकता है। कानून विशेषज्ञों का कहना है कि झूठा आरोप लगाना और किसी को गलत तरीके से फंसाना भी गंभीर अपराध है।

राजकोट के मूल रिबड़ा गांव के रहने वाले और फिलहाल शहर में बसे पाटीदार युवक अमित खूंट पर दर्ज किया गया बलात्कार का केस पूरी तरह से एक साजिश था, ऐसा खुलासा राजकोट रूरल पुलिस ने किया है। पुलिस ने जांच को तेज़ करते हुए गोंडल के कांग्रेस नेता दिनेश पातर और राजकोट के वकील संजय पंडित को गिरफ्तार कर लिया है। इसके अलावा एक युवती को भी हिरासत में लिया गया है।

यह मामला आत्महत्या के लिए मजबूर करने से जुड़ा हुआ है और पुलिस अब आरोपियों की रिमांड की मांग करेगी, जिससे और भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आने की संभावना जताई जा रही है। इस केस में एक कथित पत्रकार बृजेश, जो सोशल मीडिया चैनल चलाता है, का नाम भी सामने आया है और पुलिस अधिकारी ने संकेत दिए हैं कि जल्द ही उसकी भी गिरफ्तारी हो सकती है।

अमित दामजीभाई खूंट ने रिबड़ा में अपनी वाड़ी पर पेड़ की शाखा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में गोंडल थाना पुलिस ने अनिरुद्धसिंह महिपतसिंह जाडेजा, राजदीपसिंह अनिरुद्धसिंह जाडेजा, पूजा राजगोर और एक नाबालिग लड़की के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर उन्हें पकड़ने की कार्यवाही शुरू की थी।

ऐसे हुआ पूरे षड्यंत्र का खुलासा:

जांच की ज़िम्मेदारी राजकोट रूरल एलसीबी के इंस्पेक्टर ओडेदरा को सौंपी गई थी और एसपी हिमकरसिंह ने इसकी निगरानी शुरू की। सबसे पहले नाबालिग लड़की और पूजा जे. राजगोर को मंगलवार को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान पूजा राजगोर ने पुलिस के सामने एक बड़ा खुलासा किया।

उसने बताया कि चएक्सज नामक एक व्यक्ति (जो एक शक्तिशाली नेता का बेहद करीबी बताया गया) ने उससे संपर्क किया और कहा कि अमित खूंट, जो रिबड़ा से है, से पहले सोशल मीडिया पर दोस्ती करो, फिर प्रेम संबंध बनाओ और फिर झूठा बलात्कार केस दर्ज करवाओ। उस व्यक्ति ने लालच दिया था कि अगर वे ऐसा करने में सफल होते हैं, तो अच्छी नौकरी, पैसे और जीवनभर की सेटिंग कर दी जाएगी।

पूजा ने यह लालच नाबालिग लड़की को भी दिया, और दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से अमित खूंट और उसके दोस्तों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। अमित के अधिकतर दोस्तों ने फ्रेंड रिक्वेस्ट अस्वीकार कर दी, लेकिन अमित ने नाबालिग की रिक्वेस्ट स्वीकार कर ली। इसके बाद दोस्ती, प्रेम और फिर संबंध तक का सिलसिला चला — जैसा 'एक्स' नामक व्यक्ति ने कहा था, उसी अनुसार।

इस केस में सामने आ रहे हैं कई अहम मोड़:

मॉडलिंग करने वाली नाबालिग से संपर्क कर इस तरह की साजिश की गई।

इस साजिश में एक एक्स नामक व्यक्ति, एक कथित पत्रकार, और दो वकील — दिनेश पातर व संजय पंडित शामिल हैं।

यह सब एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म की कहानी जैसी साजिश थी।

अब पुलिस करेगी अलग-अलग धाराओं में कार्रवाई:

अगर बलात्कार हुआ था — तो अमित के खिलाफ एबेटेड समरी दर्ज होगी, लेकिन साजिश में शामिल सभी लोगों पर पोक्सो, आपराधिक षड्यंत्र और ट्रैफिकिंग कानून के तहत मुकदमा चलेगा।

अगर बलात्कार नहीं हुआ था — तो नाबालिग और उसे उकसाने वालों के खिलाफ झूठा केस दर्ज कराने के लिए अलग मुकदमा चलेगा।

एनटीपीसी में मॉकड्रिल आयोजित की गई

30 मिनट के ब्लैकआउट में 1.90 लाख यूनिट कम खपत हुई

13 लाख की बिजली की खपत में कमी आई।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बुधवार को शहर के विभिन्न स्थानों पर मॉक ड्रिल आयोजित करने के बाद शाम 7:30 से 8:00 बजे तक ब्लैकआउट किया गया था, जिसमें घरों, दुकानों, शोरूम की लाइट्स और स्ट्रीट लाइट्स बंद रखी गई थीं। इस दौरान बिजली की 1.90 लाख यूनिट कम खपत हुई, जबकि सामान्य दिनों में यह 3.80 लाख यूनिट के आसपास रहती है।

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद सरकार ने देश के विभिन्न शहरों में मॉक ड्रिल आयोजित करने का निर्णय लिया था। इस क्रम में शहर में 4 बजे 51 स्थानों पर सायरन बजे और मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इसके बाद शाम 7:30 बजे से 8 बजे तक ब्लैकआउट के लिए नागरिकों से बल्ब और ट्यूब लाइट्स बंद रखने का आह्वान किया गया था। इसके कारण, सुरतियों ने 30 मिनट के लिए लाइट्स और बल्ब बंद रखे। 7:30 बजे डीजीवीसीएल का लोड 4374 मेगावॉट था, जबकि 8 बजे के आस-पास यह 4059 मेगावॉट हो गया। यानी इस 30 मिनट में लोड में 351 मेगावॉट की कमी आई। इस दौरान डीजीवीसीएल में 1.60 लाख यूनिट और टोरेंट पावर में 30 हजार यूनिट बिजली की कम खपत हुई। इस प्रकार, 30 मिनट के ब्लैकआउट में कुल 1.90 लाख यूनिट बिजली की कम खपत हुई।

सिविल डिफेंस, पुलिस और फायर फोर्स ने हमले की स्थिति में सुरक्षित स्थान पर कैसे भागना है और मदद कैसे करनी है, इसकी जानकारी दी।

सुरत॰ शाम 4॰03 बजे डुमस रोड के इंटरनेशनल बिजनेस सेंटर में लोग ऑफिस में थे, तभी अचानक धमाका हुआ, लोग भागने लगे, एम्बुलेंस और फायर गाड़ियां सायरन बजाती हुई आईं, बिल्डिंग में बड़ी संख्या में लोग फंसे थे। उन्हें फायर जवानों ने रेस्क्यू किया। हालांकि, बाद में पता चला कि यह तो मॉक ड्रिल थी।

डुमस रोड पर IBC, सचिन GIDC कलर टेक्स, और NTPC में मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

IBC में फायर जवानों ने घायल लोगों को कंधे पर उठाकर नीचे उतारा। रोज़ शाम 7:30 से 8 बजे के बीच औसतन 3.80 लाख यूनिट बिजली की खपत दर्ज की जाती है।

लोगों को यह समझाया गया कि यदि एयर स्ट्राइक का सायरन बजे, तो खुले स्थान पर दौड़ते हुए जाएं, हाथों से कान ढककर उलटे लेट जाएं। भीड़-भाड़ वाली जगह पर बम गिरने पर क्या करना है, इस पर भी प्रशिक्षण दिया गया।

डुमस रोड स्थित इंटरनेशनल बिजनेस सेंटर में बम विस्फोट की मॉक ड्रिल की गई, जिसमें जवानों ने घायलों का रेस्क्यू किया। हेतल शाह

अमेरिकन स्टाइल में गुजरात पुलिस का पहला डिपोर्ट मेगा ऑपरेशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

300 घुसपैठियों को विशेष विमान में बांगलादेश रवाना किया गया, अगरतला में विमान उतारकर वाहनों में बांगलादेश भेजे गए।

पहलगाम हमले के दो सप्ताह बाद, एक तरफ भारत ने एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान में आतंकवादियों के कैंपों का खात्मा किया, वहीं गुजरात में अवैध रूप से घुसे बांगलादेशियों को डिपोर्ट करने का गुप्त ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। गुजरात पुलिस ने अहमदाबाद, सूरत सहित राज्य भर के विभिन्न शहरों से पकड़े गए और अवैध रूप से यहां रह रहे 300 से अधिक बांगलादेशियों को निजी विमान से बांगलादेश वापस भेज दिया है, ऐसा पुलिस सूत्रों से जानकारी मिली है।

पहलगाम हमले के बाद 27 अप्रैल को अवैध रूप से रह रहे बांगलादेशियों को पकड़ने के लिए एक साथ अहमदाबाद और सूरत में ऑपरेशन चलाया गया था। अहमदाबाद से 800, जबकि सूरत से 134 बांगलादेशियों को पकड़ा गया था। पकड़े गए सभी के दस्तावेजों की जांच की गई और उनके पास मिले दस्तावेजों के आधार पर यह जांच की गई कि वे अवैध रूप से रह रहे थे या नहीं। सूरत में 134 में से 90 लोग अवैध पाए गए थे। अहमदाबाद में भी 200 से अधिक बांगलादेशी अवैध रूप से रह रहे थे। इसके बाद बांगलादेशियों को डिपोर्ट करने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। गुप्त रूप से विमान के जरिए 300 से अधिक बांगलादेशियों को वहां छोड़ दिया गया था। अगरतला में निजी विमान को उतारकर वहां से निजी वाहनों को बुलाया गया और उनमें बांगलादेशियों को छोड़ दिया गया।सभी अवैध घुसपैठियों को वडोदरा एयरफोर्स स्टेशन से रक्षा के एयरक्राफ्ट से डिपोर्ट किया गया था। अहमदाबाद, सूरत सहित राज्य भर से बांगलादेशियों को बसों में भरकर एस्कॉट के साथ वडोदरा लाया गया और वहां से हवाई मार्ग से डिपोर्ट किया गया।

लोभ और लालच देकर ठगी करने वाला पकड़ा गया।

9.39 लाख रुपये ठगने के बाद,एफआईआर दर्ज होने पर पुलिस ने वापी से आरोपी को गिरफ्तार किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में फॉरेक्स ट्रेडिंग में निवेश से अच्छा मुनाफा मिलेगा, ऐसा कहकर इंस्टाग्राम पर लुभावनी घोषणा करने वाले एक ठग को सूरत शहर की साइबर क्राइम सेल की टीम ने वापी से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने शिकायतकर्ता से 9,30,700 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कराए थे, लेकिन न तो मुनाफा दिया और न ही मूल राशि वापस की, जिसके बाद शिकायतकर्ता ठगी का शिकार होकर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी।

लुभावनी विज्ञापनों के जाल में शिकायतकर्ता फंस गया। आरोपी राहुल विनोदभाई चौधरी (उम्र 28 साल), मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर जिले के परोडिया गांव का निवासी है और वर्तमान में वापी स्थित चणोद देवी कृपा रेजिडेंसी में रह रहा है। आरोपी ने इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फॉरेक्स ट्रेडिंग में उच्च मुनाफे के वादों के साथ विज्ञापन दिए थे। इस लुभावने विज्ञापन के जाल में शिकायतकर्ता फंस गया था।

ट्रेडिंग और लर्निंग ग्रुप में शामिल होने के लिए 9.30 लाख रुपये ट्रांसफर कराए। आरोपी ने पहले शिकायतकर्ता को एक फेक ट्रेडिंग एप्लिकेशन डाउनलोड कराया, जिसमें पंजीकरण करवाया और एकाउंट खोलवाया। फिर ट्रेडिंग और लर्निंग ग्रुप में शामिल होने के लिए विभिन्न बैंक खातों में कुल 9,30,700 रुपये ट्रांसफर कराए। पैसे जमा करने के बाद, जब शिकायतकर्ता ने नफा या मूल राशि निकालने की कोशिश की, तो आरोपी ने विदड्रॉ करने की अनुमति नहीं दी और उसके साथ ठगी की।

शिकायतकर्ता ने तुरंत 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद, सूरत शहर की साइबर क्राइम सेल द्वारा इस मामले में मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने तकनीकी जांच करके बैंकों और मोबाइल नंबरों की जानकारी एकत्र की और वापी से राहुल चौधरी को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरू की है। पुलिस ने कहा कि आरोपी विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से लोगों को ललचाकर विश्वास में लेता था और फेक एप्लिकेशन में मुनाफा दिखाकर उन्हें अधिक निवेश करने के लिए कहता था। बाद में, वह रकम निकालने की अनुमति नहीं देता था और लोगों के साथ ठगी करता था।

पुलिस की चेतावनी:

* फोरेक्स या शेयर ट्रेडिंग के ललचाने वाले संदेशों या विज्ञापनों पर विश्वास न करें।
* अजनबी नंबर से व्हाट्सएप या टेलीग्राम ग्रुप में एड किए जाने पर तुरंत ग्रुप छोड़ दें और नंबर ब्लॉक करें।
* लालच में आकर छोटे मुनाफे के बाद अधिक निवेश न करें।
* इंस्टाग्राम, फेसबुक या व्हाट्सएप से मिलने वाली लिंक से निवेश एप्लिकेशन डाउनलोड करने से बचें।

कंबोडिया की पार्टी ने पैसे नहीं दिए होने का दिया बहाना

3.18 करोड़ के हीरे उधार में खरीदकर ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कतरगाम क्षेत्र के 7 हीरा व्यापारियों से 3.18 करोड़ के हीरे उधार लेकर उन्हें भुगतान नहीं करने और धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। ईको सेल ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो आरोपी पिता-पुत्र हैं। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने कंबोडिया की पार्टी को हीरे बेचे थे, लेकिन उस पार्टी ने पैसे नहीं दिए, जिसके कारण उनका व्यापार गड़बड़ा गया।

सिंगणपोर में शुकन रिवेरा में रहने वाले महेश आम्बाराम कानानी हीरे का व्यापार करते हैं। उन्होंने 23 जनवरी 2025 से 16 फरवरी 2025 के बीच हीरा दलालों के माध्यम से आरोपियों महेश धनजी लाखानी (कर्णावती रो-हाउस, सूर्य रेजिडेंसी के पास, डभोली), तरुण तलसीभाई जसोलिया (अक्षरधाम सोसायटी, हाथी मंदिर के पास, लक्ष्मी कांत आश्रम रोड, कतरगाम) और जैमिन महेश लाखानी (कर्णावती रो-हाउस, सूर्य रेजिडेंसी के पास, डभोली) से संपर्क किया था। आरोपियों ने समय पर पैसे देने का विश्वास दिलाकर महेश कानानी से उधार में हीरे खरीदे थे। महेश कानानी ने आरोपियों को 1.04 करोड़ रुपए के हीरे दिए, लेकिन आरोपियों ने समय पर भुगतान नहीं किया। महेश कानानी ने बाजार में जांच करते हुए पाया कि आरोपियों ने अन्य 6 व्यापारियों से भी उधार में 2.14 करोड़ रुपए के हीरे खरीदे थे, लेकिन उन्हें भी भुगतान नहीं किया। महेश कानानी ने तीनों आरोपियों के खिलाफ क्राइम ब्रांच में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। ईको सेल ने आज तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी महेश धनजी लाखानी और जैमिन महेश लाखानी पिता-पुत्र हैं। आरोपियों ने पुलिस से कहा कि कंबोडिया की पार्टी ने पैसे नहीं दिए, जिसके कारण उनका व्यापार प्रभावित हुआ।

8 हजार केस लंबित,स्टाफ की कमी के कारण 5-6 साल केस निपटाने में लग जाते

उपभोक्ता फोरम में ई-फाइलिंग मुश्किल, 10 MB की फाइल अपलोड नहीं होती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

ग्राहक विवाद निवारण आयोग में फिलहाल केवल ई-फाइलिंग के माध्यम से ही केस पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं। वकीलों ने इस प्रक्रिया का विरोध करते हुए कहा है कि 10 एमबी से बड़ी फाइल अपलोड ही नहीं होती। वर्तमान में इस व्यवस्था को स्थगित करने के लिए कलेक्टर को निवेदन दिया गया है। एडवोकेट अल्पेश ठाकोर ने कहा कि जब तक ई-जागरूकता पोर्टल पूरी तरह से कार्यरत नहीं हो जाता, तब तक ई-फाइलिंग को वैकल्पिक किया जाए, स्थायी स्टाफ की नियुक्ति की जाए, स्वीकृत अतिरिक्त आयोग को चालू किया जाए और जब तक यह सब पूरा न हो, तब तक कार्य से अलग रहने संबंधी आवेदन दिया गया है।

कई वरिष्ठ नागरिक स्वयं ही केस फाइल करते हैं

एडवोकेट रहीम शेख ने कहा कि जूनियर वकील और बुजुर्ग लोग भी खुद केस फाइल करते हैं, जिनमें से कई को ई-फाइलिंग की जानकारी नहीं होती या फिर उनके पास ई-फाइलिंग के साधन नहीं होते।

90 लाख की आबादी के मुकाबले सिर्फ दो ही आयोग/कोर्ट संचालित हो रहे हैं

60 से अधिक वकीलों ने आवेदन में उल्लेख किया है कि वर्तमान में 8 हजार से अधिक केस लंबित हैं। शहर की आबादी 90 लाख है, लेकिन उसकी तुलना में केवल 2 ही आयोग/कोर्ट काम कर रहे हैं। उनमें भी स्टाफ की भारी कमी है।

वेसु सुड़ा आवास में अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ने पर मामला दर्ज।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वेसु में पानी की टंकी के पास स्थित सुड़ा आवास में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने से लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। इसको लेकर मामला वेसु पुलिस स्टेशन तक पहुंचा। पुलिस ने जयश्रीबेन बैसाने की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी कैमरे के जरिए जांच शुरू कर दी है। यह घटना 6 तारीख की रात को घटी, जब आवास में लाइट नहीं थी और ऊपर से तूफान के साथ बारिश हो रही थी। पुलिस ने आगे बताया कि सुड़ा आवास में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और भगवान गौतम बुद्ध की मूर्तियां स्थापित की गई थीं। इन दोनों में से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को कुछ अराजक तत्वों ने तोड़ दिया।